11th ANNIVERSARY

त्रिपुरी टाइम्स

www.tripuritimes.com

वर्ष 11 अंक 113

जबलपुर, गुरुवार 21 मई 2026

पृष्ठ संख्या : 8 मूल्य : 2 रुपए

इटली और भारत ने द्विपक्षीय संबंधों को विशेष रणनीतिक भागीदारी तक बढाने का निर्णय लिया: मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत और इटली ने व्यापार, रक्षा और प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढाने की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए अपने द्विपक्षीय संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक उन्नत करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि भारत और इटली रक्षा औद्योगिक क्षेत्र में भी मिलकर काम करेंगे। श्री मोदी ने बुधवार को यहां इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में कहा कि सुश्री मेलोनी के नेतृत्व में दोनों देशों के संबंधों को नयी गति और आत्मविश्वास मिला है। उन्होंने कहा कि इसे आगे बढाते हुए दोनों देशों ने अब अपने द्विपक्षीय संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि दोनों देश आतंकवाद की कड़ी निंदा करते है और इसे मानवता के लिए गंभीर चुनौती मानते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, 'पिछले लगभग साढे तीन वर्षों में मुझे कई बार प्रधानमंत्री मेलोनी से मिलने का अवसर मिला है। यह भारत और इटली के बीच घनिष्ठ सहयोग और सामंजस्य को दर्शाता है। उनके नेतृत्व में हमारे संबंधों को नई गति, नई दिशा और नया आत्म-विश्वास मिला है। मुझे खुशी है कि

हम अपने संबंधों को आगे बढ़ाते हुए विशेष रणनीतिक साझेदारी तक ले जाने की घोषणा कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि भारत और इटली मिलकर उत्पादों का डिजाइन तथा विकास करेंगे और इन्हें दुनिया को उपलब्ध करायेंगे। श्री मोदी ने कहा, 'इटली विश्व में डिजाइन और सटीकता के लिए जाना जाता है। भारत की पहचान पैमाने, प्रतिभा और किफायती नवाचार के पावरहाउस की है। इसलिए हम भारत और इटली में डिजाइन और विकास करेंगे और दुनिया के लिए वितरित करने के सिद्धांत पर आगे बढेंगे।' रक्षा औद्योगिक क्षेत्र में मिलकर काम करने की सहमति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, 'हमारे रक्षा औद्योगिक रोडमैप से सह-विकास और सह-उत्पादन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। समुद्री शक्तियों के रूप में भारत और इटली के बीच कनेक्टिविटी के क्षेत्र में घनिष्ठ सहयोग स्वाभाविक है। हम मिलकर शिपिंग, बंदरगाहों के आधुनिकीकरण, रसद और समुद्री अर्थव्यवस्था पर काम करेंगे।' आतंकवाद पर दोनों देशों के रूख में समानता बताते हुए उन्होंने कहा, 'भारत और इटली एकमत हैं कि आतंकवाद मानवता के लिए गंभीर चुनौती है। आतंक वित्तपोषण के खिलाफ हमारी साझा पहल ने पूरे विश्व के सामने एक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत किया है। भारत और इटली ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि जिम्मेदार लोकतंत्र केवल आतंकवाद की निंदा नहीं करतीं, बल्कि उसके वित्तीय नेटवर्क को तोड़ने के लिए ठोस कदम भी उठाती हैं।' प्रधानमंत्री ने कहा कि यूक्रेन और पश्चिम एशिया को लेकर भी दोनों देश संपर्क में हैं। उन्होंने कहा, 'यूक्रेन, पश्चिम एशिया तथा अन्य तनावों को लेकर हम लगातार संपर्क में रहे हैं। भारत का मत स्पष्ट है कि सभी समस्याओं का समाधान बातचीत और कूटनीति के माध्यम से होना चाहिए।

इकरा हसन के समर्थन में उतरे अखिलेश बोले- गुनाह तो बताइए ?

सहारनपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन और पुलिस अधिकारियों के बीच तीखी नोकझोंक के बाद राजनीतिक माहौल पूरी तरह गरमा गया है। सांसद इकरा हसन ने पुलिस प्रशासन पर जबरन थाने में बिठाने और हिरासत में लेने का आरोप लगाया है। इस घटना के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव उनके समर्थन में उतर आए हैं और उन्होंने सरकार व पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब कैराना से सपा सांसद इकरा हसन जसाला गांव की एक बुजुर्ग महिला के साथ पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) से मिलने पहुंची थीं। महिला के बेटे की कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी

और वे इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रही थीं। सांसद का आरोप है कि पीड़ित पक्ष की मांगों को अनसुना कर दिया गया। जब वे कार्यालय के बाहर पार्किंग एरिया में दूसरी अर्जी तैयार कर रही थीं, तभी भारी पुलिस बल ने वहां पहुंचकर उन पर ट्रैफिक व्यवस्था में बाधा डालने का आरोप लगाया। इकरा हसन के अनुसार, उन्हें और उनके साथियों को गाड़ी में बिठाकर महिला पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां करीब 10 मिनट तक हिरासत में रखने के बाद उन्हें रिहा किया गया। सांसद ने ट्रैफिक बाधित करने के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि उनके पास गाड़ी सही जगह पार्क होने के वीडियो साक्ष्य मौजूद हैं। इस घटना के बाद मामला तब और बढ़ गया जब शांति भंग करने के आरोप में पूर्व राज्य मंत्री मंगेराम कश्यप सहित पांच सपा नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। इसकी जानकारी मिलते ही इकरा हसन तुरंत सदर बाजार पुलिस स्टेशन पहुंचीं और गिरफ्तार नेताओं की रिहाई की मांग को लेकर धरने पर बैठ गईं। इस दौरान उनकी पुलिस अधिकारियों से तीखी बहस भी हुई। सांसद के समर्थन में बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता थाने पहुंचे, जिसके चलते इलाके में भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को 23 मई को आएंगे भारत

नई दिल्ली के अलावा कोलकाता, आगरा, जयपुर भी जाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो आगामी 23 से 26 मई तक भारत की अपनी पहली चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर आ रहे हैं। इस कूटनीतिक यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत और अमेरिका के बीच व्यापार, रक्षा, सुरक्षा तथा ऊर्जा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और अधिक सुदृढ़ करना है। विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगोट के अनुसार, अपने इस चार दिवसीय दौरे के दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री कोलकाता, आगरा, जयपुर और नई दिल्ली का दौरा करेंगे, जहां वे वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठकों में हिस्सा लेंगे। इस कूटनीतिक वार्ता के एजेंडे में कई अहम द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दे शामिल हैं। मुख्य रूप से दोनों देशों के बीच सुरक्षित ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण और क्लीन एनर्जी (स्वच्छ ऊर्जा) को बढ़ावा देने पर गहन चर्चा होगी। इसके अतिरिक्त, हिंद-प्रशांत (इन्डो-पैसिफिक) क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को प्रगाढ़ करने, अत्याधुनिक सैन्य सहयोग को बढ़ाने और रक्षा प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण पर भी बात की जाएगी। दोनों देश आपसी व्यापारिक बाधाओं को दूर करने और द्विपक्षीय निवेश को नए स्तर पर ले जाने के प्रयासों पर भी अपनी सहमति बनाएंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री की इस

कूटनीतिक यात्रा का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू इसका समय और उनका व्यस्त वैश्विक कार्यक्रम है। भारत रवाना होने से ठीक पहले, रूबियो 22 मई को स्वीडन में आयोजित होने वाली उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। यूरोप में सुरक्षा व्यवस्था पर अपनी चर्चा समाप्त करने के तुरंत बाद वे सीधे भारत के लिए उड़ान भरेंगे। अंतरराष्ट्रीय मामलों के कूटनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि रूबियो का यह व्यस्त कार्यक्रम साफ तौर पर दर्शाता है कि वैश्विक मंच पर वाशिंगटन की विदेश नीति की प्राथमिकताओं में भारत का स्थान कितना महत्वपूर्ण और शीर्ष पर है। इस यात्रा से न केवल दोनों लोकतांत्रिक देशों के रणनीतिक संबंध मजबूत होंगे, बल्कि भविष्य के नए व्यापारिक समझौतों को भी एक नई और सकारात्मक गति मिलेगी।

बुलडोजर संस्कृति के खिलाफ आंदोलन चलाने का किया ऐलान

ममता बनर्जी का बड़ा दावा: दिल्ली की सत्ता से जल्द हटेगी भाजपा सरकार

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार का सामना करने के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। कालीघाट स्थित अपने आवास पर पार्टी विधायकों की बैठक को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने दावा किया कि आने वाले दिनों में भाजपा को केंद्र की सत्ता से हटा दिया जाएगा। राज्य के हालिया विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जीत दर्ज की है, जिसके साथ ही राज्य में पिछले 15 सालों से चला आ रहा तृणमूल कांग्रेस का शासन समाप्त हो गया है। इस हार के बाद भी टीएमसी नेतृत्व ने स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा के खिलाफ उनकी राजनीतिक लड़ाई जारी रहेगी।

ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि राज्य में नई सरकार के आने के बाद से अल्पसंख्यक समुदायों और सड़क किनारे दुकान लगाने वाले हॉकर्स को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तथाकथित तानाशाही और बुलडोजर संस्कृति के कारण जनता में रोष बढ़ेगा, जो अंततः केंद्र की सरकार को सत्ता से बाहर कर देगा। इसके विरोध में टीएमसी ने कोलकाता,

बालीगंज, हावड़ा जंक्शन और सियालदह रेलवे स्टेशन के आसपास बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन शुरू करने की घोषणा की है। उन्हें उम्मीद है कि यह जन-आंदोलन भाजपा के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी माहौल तैयार करेगा।

बैठक में टीएमसी के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भी वर्तमान मुख्यमंत्री पर सीधा हमला बोला। उन्होंने साफ किया कि केंद्रीय एजेंसियों के नोटिस या दंडात्मक कार्रवाइयों के आगे वे झुकने वाले नहीं हैं और भाजपा के खिलाफ उनका संघर्ष जारी रहेगा।

दूसरी तरफ, चुनाव के नतीजे आने के बाद राज्य के कई हिस्सों से हिंसा, आगजनी और झड़पों की खबरें आई हैं। इस मामले में टीएमसी ने कानूनी रास्ता अपनाते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि चुनाव परिणामों के बाद टीएमसी कार्यकर्ताओं और उनके कार्यालयों को निशाना बनाया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए ममता बनर्जी खुद वकील की पोशाक पहनकर कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की अदालत में पेश हुईं। उन्होंने अदालत से मांग की है कि प्रभावित कार्यकर्ताओं को तुरंत सुरक्षा दी जाए और इस पूरी हिंसा की कोर्ट की निगरानी में निष्पक्ष जांच कराई जाए। उल्लेखनीय है कि इस विधानसभा चुनाव में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक बहुमत के साथ राज्य में अपनी सरकार बनाई है, जबकि सत्ताधारी टीएमसी केवल 80 सीटों पर सिमट गई है। इस राजनीतिक उलटफेर के बाद राज्य में माहौल पूरी तरह गरमाया हुआ है।

रूस-चीन का डॉलर पर सीधा प्रहार: पुतिन-जिनपिंग ने बदला वैश्विक गेम

खत्म हो रहा अमेरिका का वर्चस्व

मॉस्को, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की बीजिंग यात्रा ने वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में एक नए अध्याय की शुरुआत की है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उनकी मुलाकात को मॉस्को-बीजिंग एक्सिस के रूप में दिखाया जा रहा है, जो अमेरिका के प्रभुत्व को सीधी चुनौती दे रहा है। दोनों देशों ने डॉलर-मुक्त आर्थिक गठबंधन की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए हैं, इसके तहत अब तेल और गैस का कारोबार अमेरिकी डॉलर के बजाय रूसी रूबल और चीनी युआन में करने का ऐलान किया है। यह कदम वैश्विक अर्थव्यवस्था में डॉलर की दशकों पुरानी पकड़ को कमजोर करने की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा है। रूस और चीन के बीच व्यापारिक लेनदेन पहले ही काफी हद तक डी-डॉलराइज्ड हो चुका है। दोनों देशों के बीच 200 अरब डॉलर से अधिक का व्यापार अब अधिकतर रूबल और युआन में हो रहा है, जो उनकी बढ़ती आर्थिक आत्मनिर्भरता को दिखाता है। इस रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करते हुए, दोनों नेता आर्थिक सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा, ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) जैसे बहुपक्षीय मंचों की भूमिका पर भी चर्चा कर सकते है। यह यात्रा चीन-रूस मैत्री संधि की 25वीं वर्षगांठ के मौके पर हो रही है, जो उनके गहरे संबंधों का प्रतीक है। कटूनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि चीन एक ओर अमेरिका के साथ अपने संबंधों को स्थिर रखना चाहता है, वहीं दूसरी ओर रूस के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत कर रहा है। वह खुद को एक ऐसी बड़ी शक्ति के रूप में प्रस्तुत करना चाहता है जो पश्चिम और रूस दोनों के बीच संतुलन स्थापित कर सके। हालांकि, रूस और चीन की यह बढ़ती नजदीकी अमेरिका और यूरोपीय देशों के लिए एक गंभीर रणनीतिक चुनौती बनती जा रही है। दोनों देश बिक्स को नए बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था का आधार बनाने की कोशिश में हैं। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा है कि यह गठबंधन किसी के खिलाफ नहीं, बल्कि वैश्विक स्थिरता के लिए है। लेकिन पश्चिमी देश इस गठबंधन को अमेरिकी प्रभाव को कम करने की रणनीति के तौर पर देख रहे हैं। वैश्विक भुगतान प्रणाली और ऊर्जा बाजारों में ये बदलाव दुनिया को नए आर्थिक गुटों की ओर धकेल रहे हैं, जिससे आने वाले समय में वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था का संतुलन पूरी तरह बदल सकता है।

सीक्रेट खुलासा: कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान को कोई भाव नहीं देता अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और पाकिस्तान दुनिया को ऊपर-ऊपर से भले ही अच्छे रिश्ते दिखा रहे हों, लेकिन हाल ही में हुए डिप्लोमैटिक केबल लीक्स बताती हैं कि इन दोनों देशों में कभी एकमत रही ही नहीं। साल 2022 के एक सीक्रेट दस्तावेज में सामने आया है कि अमेरिका-पाकिस्तान के बीच मतभेद इतने ज्यादा थे कि पाकिस्तान को हमेशा इसकी शिकायत रही कि अमेरिका पाकिस्तान को कश्मीर के मामले पर पूरा समर्थन नहीं देता है। ये सीक्रेट लीक्स मीडिया हाऊस की ओर से की गई, जिसमें ये बात सामने आई है। इन सीक्रेट खुलासे में कहा गया है कि दोनों देशों के बीच कश्मीर, यूक्रेन युद्ध और चीन जैसे मुद्दों पर गहरे मतभेद हैं। ये लीक 7 मार्च, 2022 को पाकिस्तान के तत्कालीन अमेरिकी राजदूत आसद मजीद खान ने अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू से हुई मुलाकात की। इस बैठक में पाकिस्तान ने अमेरिका पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। खान ने कहा कि

वॉशिंगटन पाकिस्तान से हर मुद्दे पर समर्थन की उम्मीद करता है, लेकिन कश्मीर जैसे मुद्दों पर पाकिस्तान को समर्थन नहीं देता। बता दें कि भारत हमेशा से कहता रहा है कि कश्मीर उसका आंतरिक मामला है और किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप की कोई गुंजाइश नहीं है। पाकिस्तान ने शिकायत की कि भारत के यूक्रेन युद्ध में तटस्थ रहने और रूस से संबंध बनाए रखने पर अमेरिका का रुख काफी नरम रहा, जबकि इस मामले में पाकिस्तान पर दबाव ज्यादा था। पाकिस्तान के तत्कालीन अमेरिकी राजदूत खान ने लू से कहा कि अमेरिकी सीनेट सब-कमिटी की सुनवाई में भारत के रुख का बचाव करते हुए लू का बयान पाकिस्तान को दोहरे मापदंड का एहसास कराता है। पाकिस्तान के मुताबिक अमेरिका भारत और पाकिस्तान के लिए अलग-अलग मापदंड रखता है। लू ने जवाब में कहा कि अमेरिका भारत को मुख्य रूप से चीन के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के नजरिए से देखता है। बता दें कि साल 2022 का दस्तावेज फिर से चर्चा में आया है जब ट्रंप प्रशासन में पाकिस्तान के साथ अमेरिका के संबंधों को लेकर आंतरिक बहस चल रही है। पेंटागन और सीआईए पाकिस्तान के साथ व्यावहारिक सहयोग बढ़ाने के पक्ष में हैं, जबकि कुछ अधिकारी भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी को प्राथमिकता देते हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह केबल दिखाता है कि अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों में गहरी अविश्वास की दीवार बनी हुई है। पाकिस्तान लगातार अमेरिका से कश्मीर और क्षेत्रीय मुद्दों पर समर्थन मांगता रहा है, लेकिन वॉशिंगटन की प्राथमिकता हमेशा चीन को काउंटर करने वाली भारत-केंद्रित रणनीति रही है।

लंबे किस का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाला थाईलैंड का कपल हो गया जुदा

बैंकॉक, एजेंसी। लगातार 58 घंटे तक किस कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाला थाईलैंड का मशहूर कपल अब अलग-अलग हो गया हैं। इस कपल ने अपनी आपसी सहमति से यह निर्णय लिया है। यह खबर सुनकर उनके प्रसंशक भावुक हो गए है। हम बात कर रहे हैं थाईलैंड के बहुचर्चित कपल एक्काचाई तिरानरात और लकसाना तिरानरात की, जिन्होंने अपने लंबे किस वर्ल्ड रिकॉर्ड से दुनियाभर में पहचान बनाई थी। एक समय ऐसा था जब लोग इनके रिश्ते को सच्चे प्यार की सबसे बड़ी मिसाल मानते थे, लेकिन अब सालों पुराने इस रिश्ते के टूटने की खबर ने उनके प्रशंसकों को भावुक कर दिया है। दोनों ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला लिया है। यह कपल साल 2013 में उस समय दुनिया भर में चर्चा में आया था, जब दोनों ने लगातार 58 घंटे, 35 मिनट और 58 सेकंड तक किस करके गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। इस रिकॉर्ड ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया था। खास बात यह थी कि उन्होंने अपना ही पुराना रिकॉर्ड तोड़ा था। इससे पहले साल 2011 में भी दोनों ने करीब 46 घंटे तक लगातार किस करके रिकॉर्ड बनाया था। उस दौर में सोशल मीडिया और अंतरराष्ट्रीय मीडिया में इस जोड़े की खूब चर्चा हुई थी और लोग इन्हें प्यार की अनोखी मिसाल मानने लगे थे। इस प्रतियोगिता के नियम बेहद कठिन बताए जाते थे। रिकॉर्ड बनाने वाले प्रतिभागियों को लगातार एक-दूसरे के संपर्क में रहना होता था और बीच में अलग होने की अनुमति नहीं होती थी। लंबी अवधि तक एक ही स्थिति में रहने और बिना आराम के चुनौती पूरी करना आसान नहीं माना जाता था।

अमेरिका ने हरकत की, तो पहले से ज्यादा खतरनाक जवाब देंगे: ईरान

तेहरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच जारी भारी तनाव के बीच ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अरागची ने एक बड़ा और कड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि ईरान ने पिछले संघर्षों और सैन्य चुनौतियों से व्यापक अनुभव हासिल किया है। दुनिया को आगाह करते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि यदि क्षेत्र में दोबारा युद्ध जैसी स्थिति पैदा होती है, तो ईरान की तरफ से ऐसे नए और चौंकाने वाले जवाब देखने को मिल सकते हैं जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। ईरानी विदेश मंत्री का यह आक्रामक बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को एक समझौते पर सहमति जताने के लिए दो से तीन दिन का बेहद सीमित समय दिया है। दूसरी ओर, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इस पूरे घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए कहा कि

कूटनीतिक बातचीत में काफी प्रगति जरूर हुई है, लेकिन ईरान की अंतिम स्थिति और इरादे अभी पूरी तरह साफ नहीं हो पाए हैं। इस बीच, व्हाइट हाउस में सांसदों को संबोधित करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन ईरान के साथ जारी गतिरोध और तनाव को जल्द से जल्द समाप्त करने की दिशा में पूरी गंभीरता से काम कर रहा है। उन्होंने अपने पुराने रुख को दोहराते हुए स्पष्ट किया कि किसी भी परिस्थिति में ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान इस लंबे खिंचते तनाव और आर्थिक दबावों से थक चुका है, इसलिए वह समझौता करने के लिए उत्सुक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस पूरे मामले का जल्द ही कोई शांतिपूर्ण समाधान निकाल लिया जाएगा। इसके साथ ही ट्रंप ने एक बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि वह ईरान पर एक नए सैन्य हमले की अनुमति देने से महज एक घंटे की दूरी पर थे, लेकिन खाड़ी के तीन प्रमुख अरब देशों के विशेष अनुरोध के बाद उन्होंने इस हमले की योजना को फिलहाल टाल दिया। ईरान और अमेरिका के इस वाकयुद्ध के बीच जमीनी स्तर पर इजरायल और लेबनान के बीच भी सैन्य टकराव बेहद खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। हाल ही में इजरायली वायुसेना ने दक्षिणी लेबनान के नबातियेह इलाके को निशाना बनाते हुए एक भीषण हवाई हमला किया, जिसमें नौ लोगों की जान चली गई। मार्च के शुरुआती दिनों से लेकर अब तक इस क्षेत्र में इजरायली सैन्य कार्रवाइयों के कारण मरने वालों का आंकड़ा तीन हजार के पार पहुंच चुका है। इसके अतिरिक्त, गाजा पट्टी में मानवीय सहायता सामग्री पहुंचाने की कोशिश में जुटे अंतरराष्ट्रीय संगठन ग्लोबल सुमुद फ्लोटिला के एक और राहत जहाज को इजरायली नौसेना बलों ने समुद्र में ही रोक दिया। आंकड़ों के अनुसार, यह अब तक रोका गया 61वां सहायता जहाज है। इस घटना के सामने आने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इजरायल की चौतरफा आलोचना तेज हो गई है। वैश्विक मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और विभिन्न देशों द्वारा सहायता जहाजों को रोके जाने तथा सैकड़ों शांति कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिए जाने के इजरायली कदम पर गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं। मध्य पूर्व की यह पूरी स्थिति फिलहाल किसी बड़े वैश्विक संकट की ओर इशारा कर रही है।

मध्यप्रदेश में 1 से 15 जून तक तबादले हो सकेंगे

पति-पत्नी की पोस्टिंग एक जगह रखने पर विचार होगा; गंभीर बीमार कर्मचारियों को भी रियायत

भोपाल। डॉ. मोहन यादव कैबिनेट की बैठक में राज्य सरकार की तबादला नीति-2026 को मंजूरी मिल गई है। प्रदेश में राज्य और जिला स्तर पर कर्मचारियों और अधिकारियों के 1 जून से 15 जून तक तबादले किए जाएंगे। सामान्य प्रशासन विभाग ने ड्राफ्ट तैयार कर मुख्यमंत्री सचिवालय भेजा था। सीएम और मंत्रियों की सहमति के बाद नीति को अंतिम रूप दिया गया। कैबिनेट ने तय किया है कि पति-पत्नी की पदस्थापना एक स्थान पर रखने के मामलों में कार्यवाही की जाएगी। गंभीर बीमारी से ग्रस्त कर्मचारियों को भी स्थानांतरण में रियायत दी जाएगी। नोटशीट में ए प्लस कैटेगरी वाले मामलों को प्राथमिकता दी जाएगी।

ऐसे मामले तबादला नीति से बाहर रखे गए : मोहन कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप ने बताया कि सीएम की ए प्लस नोटशीट वाले तबादले 31 मई तक करने हैं। लंबित आवेदन निपटाए जाएंगे। इसे तबादला नीति में शामिल नहीं किया गया है। काश्यप ने बताया कि स्वयं के व्यय वाले तबादलों में दो स्थितियां शामिल नहीं होंगी। इन्हें तबादला नीति से बाहर रखा गया है। इसमें पहला, पति-पत्नी को एक स्थान पर किए जाने वाले तबादले और दूसरा, पति-पत्नी की बीमारी के मामलों में होने वाले तबादले को तबादला नीति से बाहर रखा गया है।

स्कूल शिक्षा विभाग की तबादला नीति अलग रहेगी : नई नीति में स्वैच्छिक और प्रशासनिक तबादलों की सीमा अलग-अलग तय करने का प्रस्ताव है। अब तक दोनों को एक ही कोटे में शामिल किया जाता था, जिससे प्रशासनिक जरूरतों के अनुसार तबादलों में बाधा आती थी। अब तक कुल कर्मचारियों के 10 से 15 प्रतिशत तक तबादलों की अनुमति दी जाती थी। इसमें स्वैच्छिक और आपसी तबादले भी शामिल होते थे, जिससे जरूरी प्रशासनिक फेरबदल प्रभावित होता था। स्कूल शिक्षा विभाग की तबादला नीति हर वर्ष की तरह अलग रहेगी। जनजातीय कार्य, राजस्व और ऊर्जा विभाग भी अलग नीति जारी कर सकते हैं, लेकिन मूल ढांचे से अलग व्यवस्था नहीं कर सकेंगे। तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के तबादले जिला स्तर पर प्रभारी मंत्री और कलेक्टर के माध्यम से किए जाएंगे। प्रथम श्रेणी अधिकारियों के तबादलों के लिए मुख्यमंत्री की मंजूरी अनिवार्य होगी। बैठक में जल निगम की बंडोल समूह जनपद योजना की पुनरीक्षित स्वीकृति, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जारी रखने और लोक निर्माण विभाग की परियोजनाओं में मूल्य दर समायोजन के प्रस्तावों पर भी चर्चा होगी।

सभी ट्रांसफर ऑर्डर ऑनलाइन सिस्टम के जरिए होंगे : ऑनलाइन ट्रांसफर ऑर्डर सभी ट्रांसफर ऑर्डर ऑनलाइन सिस्टम के माध्यम से जारी किए जाएंगे। जिन विभागों में ऑनलाइन सिस्टम नहीं है, वहां ऑफलाइन आवेदन भी तबादलों के लिए लिए जा सकेंगे। अनुसूचित क्षेत्रों में खाली पद पहले भरे जाएंगे। इसके बाद गैर-अनुसूचित क्षेत्रों के रिक्त पद भरे जाएंगे। तबादले किसी जिले में तीन वर्ष पूरे करने के बाद ही होंगे, जिसमें वरिष्ठता का ध्यान रखा जाएगा। कर्मचारी संघ के नेताओं को नियुक्ति के बाद चार साल तक तबादलों से छूट दी जाएगी। चार साल से अधिक समय तक पद पर रहने पर प्रशासनिक जरूरत के आधार पर तबादले किए जाएंगे। तकनीकी शिक्षा, उच्च शिक्षा और विद्यालयों में कार्यरत अतिरिक्त शिक्षकों को अन्य संस्थानों में स्थानांतरित किया जाएगा। गंभीर रूप से बीमार या सेवानिवृत्ति के निकट शिक्षकों का स्थानांतरण नहीं किया जाएगा।

जिन विभागों में 200 तक कर्मचारी हैं उनमें 20% तबादले : तबादला नीति में कर्मचारियों के स्वैच्छिक और प्रशासनिक आधार पर तबादले को लेकर जो व्यवस्था तय की गई है उसके मुताबिक जिन विभागों में 200 तक कर्मचारी हैं उनमें 20% तबादले होंगे। जहां 200 से 1000 तक कर्मचारी हैं वहां 15% तबादले किए जाएंगे। इसके साथ ही 1000 से 2000 तक की कर्मचारियों की संख्या वाले विभागों में 10% और 2001 से अधिक कर्मचारी संख्या वाले विभागों में पांच प्रतिशत तबादले किए जाएंगे।

भोपाल में कैबिनेट बैठक में ई-रिक्शा से पहुंचे 2 मंत्री

भोपाल। भोपाल में बुधवार को मंत्रालय में हुई कैबिनेट बैठक में शामिल होने के लिए मंत्री गौतम टेटवाल और नारायण सिंह पवार ई-रिक्शा के जरिए पहुंचे। भोपाल के चार इमली में पास-पास रहने वाले दोनों मंत्री एक ही ई-रिक्शा से करीब ढाई किलोमीटर का सफर तय कर मंत्रालय पहुंचे।

मंत्रियों के पीछे दूसरे ई-रिक्शा में उनके स्टाफ के लोग पहुंचे, लेकिन जिनके पास पास नहीं थे, उन्हें सुरक्षा कर्मियों ने अंदर नहीं जाने दिया। मंत्रियों के बाद उनके स्टाफ के लोग अलग-अलग गाड़ियों से थोड़ी देर के अंतराल पर मंत्रालय पहुंचे।

दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजरायल-ईरान युद्ध के कारण बने वैश्विक हालात को देखते हुए पेट्रोल-डीजल जैसे ईंधन का संयमित उपयोग करने की अपील की थी। पीएम की इस अपील को अनदेखा कर मध्य प्रदेश के नवनियुक्त निगम, मंडल और बोर्ड के अध्यक्षों-उपाध्यक्षों ने वाहन रैलियां निकालीं, जिसके बाद पूरे देश में एमपी बीजेपी नेताओं की फजीहत हुई।

ऐसे में मामले में दिल्ली से केंद्रीय नेतृत्व की फटकार पड़ी तो एमपी बीजेपी ने दो नेताओं पर एक्शन लिया। साथ ही कई नेताओं को हिदायत भी दी गई। वाहन रैलियों को लेकर आलोचना होने के बाद अब संगठन ने सख्ती दिखाई है। इसके बाद मंत्री, विधायक और सांसद भी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करते नजर आ रहे हैं।

सौभाग्य सिंह ठाकुर को मप्र पाठ्य पुस्तक निगम का अध्यक्ष बनाए जाने पर 700 गाड़ियों का काफिला उज्जैन से भोपाल के लिए निकला था।

सौभाग्य सिंह ठाकुर को मप्र पाठ्य पुस्तक निगम का अध्यक्ष बनाए जाने पर 700 गाड़ियों का काफिला उज्जैन से भोपाल के लिए निकला था।

ये हैं वाहन रैलियां निकालने वाले नेता

सौभाग्य सिंह ठाकुर (अध्यक्ष, मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम): पदभार ग्रहण करने के दौरान उज्जैन से भोपाल तक 200 से 700 गाड़ियों का विशाल काफिला निकाला। वीडियो वायरल होने के बाद सीएम डॉ. मोहन यादव ने सख्त एक्शन लिया। कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। साथ ही जांच पूरी होने तक सभी प्रशासनिक और वित्तीय अधिकार तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए गए।

सज्जन सिंह यादव (जिलाध्यक्ष, किसान मोर्चा भिंड): नियुक्ति के बाद लग्जरी कारों की विशाल वाहन रैली निकालकर शक्ति प्रदर्शन किया था। संगठन ने इसे गंभीर अनुशासनहीनता मानते हुए तत्काल प्रभाव से उनकी नियुक्ति रद्द कर दी।

वीरेंद्र गोयल (अध्यक्ष, सिंगरौली विकास प्राधिकरण): जब पदभार ग्रहण करने पहुंचे, तब उनके समर्थकों ने भी विशाल वाहन रैली निकाली थी। इस रैली के कारण सिंगरौली शहर की सड़कों पर भारी ट्रैफिक जाम लगा था। आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ा।

पंकज जोशी (अध्यक्ष, मध्य प्रदेश खादी ग्रामोद्योग बोर्ड): नियुक्ति का जश्न मनाने के लिए विशाल वाहन रैली निकाली थी। काफिले में करीब 100 से ज्यादा गाड़ियां शामिल थीं, जिसे पीएम की ईंधन बचाने की अपील का उल्लंघन माना गया।

सत्येंद्र भूषण सिंह (अध्यक्ष, मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम): नियुक्ति के बाद भोपाल के अवधपुरी स्थित घर से बीजेपी प्रदेश कार्यालय तक ई-रिक्शा से पहुंचे। इसके बाद न्यू मार्केट स्थित कार्यालय में पदभार ग्रहण करने भी ई-रिक्शा से ही पहुंचे। हालांकि भाजपा कार्यालय के बाहर उनके समर्थकों की गाड़ियों की लंबी लाइन नजर आई थी।

राकेश सिंह जादौन (उपाध्यक्ष, मध्य प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड): यह भी प्रदेश बीजेपी कार्यालय पहुंचने के लिए ई-रिक्शा का उपयोग करते नजर आए। हालांकि विदिशा से भोपाल तक वे गाड़ियों का काफिला लेकर पहुंचे थे।

अब ई-व्हीकल्स और बस से सफर कर रहे नेता : प्रद्युम्न सिंह तोमर (ऊर्जा मंत्री): पेट्रोल-डीजल बचाने की अपील का असर दिखाते हुए उन्होंने अपनी लग्जरी गाड़ी छोड़ दी और ई-स्कूटी (ए-रूड्ड्ड्डश्१) से मंत्रालय पहुंचे। सीएम हाउस में सत्ता और संगठन की वन-टू-वन मीटिंग में शामिल होने भी वे ई-स्कूटी से ही पहुंचे थे।

गौतम टेटवाल (तकनीकी शिक्षा मंत्री): तकनीकी शिक्षा मंत्री गौतम टेटवाल अपने विधानसभा क्षेत्र में सारंगपुर से पचोर तक बस से सफर कर पहुंचे थे। इसके दो दिन बाद वे प्रभारी जिले बड़वानी में भी कलेक्टर जयति सिंह और अधिकारियों के साथ बस से बैठक में शामिल होने पहुंचे।

डॉ. मोहन यादव (मुख्यमंत्री): सीएम ने खुद अपने काफिले में एस्कॉर्ट और गाड़ियों की संख्या कम की है। पहले उनके काफिले में 13 वाहन चलते थे, जबकि अब सिर्फ 6 गाड़ियां चल रही हैं। दिल्ली दौरे के दौरान उन्होंने मेट्रो से सफर कर सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने का संदेश भी दिया।

छिंदवाड़ा में दवा दुकानों पर लगे ताले

ऑनलाइन फामेर्सी के विरोध में केमिस्टों की हड़ताल, मरीज हुए परेशान

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ाः जिले में बुधवार को दवा दुकानों पर ताले नजर आए। जिला औषधि विक्रेता संघ के आह्वान पर जिलेभर के मेडिकल संचालकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर एक दिवसीय हड़ताल की। इस दौरान जिला अस्पताल के सामने केमिस्टों ने प्रदर्शन किया और ऑनलाइन फामेर्सी व्यवस्था के खिलाफ नाराजगी जताई। हड़ताल के कारण मरीजों और उनके परिजनों को दवाइयों के लिए परेशानी का सामना करना पड़ा। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि कोरोना काल के दौरान लागू किए गए ॠफ 817(ए) नियम के बाद ई-फामेर्सी का चलन तेजी से बढ़ा है। उनका आरोप है कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बिना अधिकृत फार्मासिस्ट के दवाओं की बिक्री की जा रही है, जो मरीजों की सेहत के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है। केमिस्टों का कहना है कि कई जरूरी दवाइयों को कोल्ड चेन में सुरक्षित रखने की आवश्यकता होती है, लेकिन ऑनलाइन डिलीवरी के दौरान इन्हें सामान्य पार्सल की तरह भेजा जाता है। इससे दवाओं की गुणवत्ता प्रभावित होती है और मरीजों के स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ सकता है। संघ ने यह भी आरोप लगाया कि ऑनलाइन माध्यमों पर फर्जी पर्चों के जरिए प्रतिबंधित दवाइयां आसानी से उपलब्ध हो रही हैं, जिससे नशे के अवैध कारोबार को बढ़ावा मिल रहा है।

प्रदेश में चार दिन हीटवेव का अलर्ट

नौगांव में पारा 47डिसे, 22 शहरों में 44 डिग्री पार; आज वॉर्म नाइट की चेतावनी

भोपाल। मध्य प्रदेश में सूरज जैसे आग उगल रहा है। दिन में भीषण गर्मी पड़ रही है तो लू के थपेड़ों का सितम भी है। मंगलवार को छतरपुर के 2 शहर-खजुराहो और नौगांव सबसे गर्म रहे। नौगांव में तापमान रिकॉर्ड 47 डिग्री और खजुराहो में 46.4 डिग्री रहा। सीजन में पहली बार अधिकतम तापमान 47 डिग्री पर पहुंचा। क्टऊ (मौसम केंद्र) ने अगले 4 दिन हीटवेव यानी, लू की चेतावनी जारी की है। प्रदेश के 22 शहरों में मंगलवार को अधिकतम तापमान 44 डिग्री के पार रहा। नौगांव और खजुराहो के बाद तीसरा सबसे गर्म शहर दतिया रहा। यहां तापमान 45.8 डिग्री दर्ज किया गया।

राजगढ़ में 45.6 डिग्री, दमोह में 45.5 डिग्री, शाजापुर, टीकमगढ़, गुना-सागर में 45.2 डिग्री, सतना में 45.1 डिग्री, मुरैना, शहडोल, रायसेन, रीवा-श्योपुर में 45 डिग्री, मंडला में 44.6 डिग्री, उमरिया में 44.5 डिग्री, खरगोन में 44.4 डिग्री, रतलाम में 44.2 डिग्री और खंडवा में 44.1 डिग्री रहा।

प्रदेश के 5 बड़े शहरों की बात करें तो ग्वालियर में सीजन में पहली बार तापमान 45 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल में 44.2 डिग्री, इंदौर में 43.7 डिग्री, उज्जैन में 43.8 डिग्री और जबलपुर में 44.6 डिग्री रहा। भोपाल में सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। एयरपोर्ट ऑब्जर्वेटरी में दिन का तापमान 44.2 डिग्री रहा, जबकि नए शहर के अरेरा हिल्स ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन में पारा 46 डिग्री तक पहुंच गया। इसके साथ ही नए भोपाल में सीजन की पहली लू चली। भोपाल में रात का तापमान भी पहली बार 30 डिग्री दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के मुताबिक-अगले तीन दिन तीखी गर्मी पड़ने के आसार हैं। वहीं पूरे प्रदेश में लू का अलर्ट जारी किया गया है।मंगलवार को सतना और टीकमगढ़ में तेज गर्मी और लू जैसे हालात के बीच दो लोगों की मौत हो गई। दोनों को हीट स्ट्रोक यानी लू लगने की आशंका जताई गई।

छिंदवाड़ा में आदिवासी युवकों से मारपीट

आधा दर्जन बदमाशों ने रास्ता रोककर पीटा; चाकू दिखाकर दी जान से मारने की धमकी

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा जिले के जुन्नारदेव थाना क्षेत्र की अंबाड़ा चौकी के अंतर्गत बैरियर के पास देर रात गुंडागर्दी का मामला सामने आया है। यहां आधा दर्जन आरोपियों ने रास्ता रोककर दो आदिवासी युवकों के साथ मारपीट की और चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। हमले में दोनों युवक घायल हो गए हैं। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित युवकों ने अंबाड़ा चौकी पहुंचकर घटना की शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने पुलिस को बताया कि घटना बीती रात करीब 12:30 बजे की है, जब वे दोनों किसी काम से जा रहे थे। इसी दौरान बैरियर के पास पहले से मौजूद आरोपियों ने उन्हें रोक लिया और विवाद करते हुए उनके साथ मारपीट शुरू कर दी।

चाकू लहराते हुए दी जान से मारने की धमकी : पीड़ितों का आरोप है कि मारपीट के दौरान आरोपियों ने चाकू निकालकर उन्हें डराया-धमकाया। जब युवकों ने विरोध किया तो आरोपियों ने उन्हें जान से खत्म करने की धमकी दी। इस हमले में दोनों युवकों के शरीर पर कई जगह चोटें आई हैं। इस पूरी घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया है। घटना की शिकायत मिलने के बाद अंबाड़ा चौकी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। पुलिस ने सबसे पहले दोनों घायल युवकों का मेडिकल परीक्षण करवाया और उसके बाद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

सेल्टिया हत्याकांड का इनामी आरोपी पुणे से गिरफ्तार

युवक की हत्या कर शव तालाब में फेंका था, सभी आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। बैतूल जिले के बोरदेही थाना क्षेत्र में हुए चर्चित सेल्टिया जलाशय हत्याकांड में पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। मामले में फरार चल रहे 10 हजार रुपये के इनामी आरोपी को पुलिस ने महाराष्ट्र के पुणे से गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही अब इस सनसनीखेज हत्याकांड के सभी आरोपी पुलिस गिरफ्त में आ चुके हैं।

गौरतलब है कि 15 मई 2026 को ग्राम कारोपानी के समीप सेल्टिया जलाशय में एक युवक का शव संदिग्ध हालत में मिला था। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी राधेश्याम बट्टी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे थे। युवक का शव पानी में औंधे मुंह पड़ा मिला था, जिसे एक भारी पेड़ के तने के नीचे दबाया गया था। मृतक की पहचान राजू उईके 22 निवासी ढाकरवाड़ी थाना नवेगांव जिला छिंदवाड़ा के रूप में हुई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाने और गंभीर चोटों के कारण हत्या की पुष्टि हुई थी। जांच में सामने आया था कि मजदूरी के पैसों के लेन-देन को लेकर मृतक और आरोपियों के बीच विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते आरोपियों ने हत्या की वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस जांच में पता चला था कि 13 मई को एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद राजू उईके आरोपियों के साथ मोटरसाइकिल से गया था, जिसके बाद वह वापस घर नहीं लौटा। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, पूछताछ के आधार पर 24 घंटे के भीतर मामले का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। मामले में पहले गिरफ्तार किए गए आरोपियों में रुपेश कवडे निवासी टुई ढाना सेल्टिया जिला छिंदवाड़ा, आयुष नर्रे निवासी बामला जिला बैतूल, तेजीलाल उईके निवासी ढाकरवाड़ी जिला छिंदवाड़ा और एक विधि-विरुद्ध बालक शामिल थे। वहीं फरार आरोपी संजय उर्फ संजू पिता अनिल धुर्वे उम्र 20 वर्ष निवासी ढाकरवाड़ी थाना नवेगांव जिला छिंदवाड़ा पर पुलिस ने 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

पुलिस ने लगातार तलाश के बाद आरोपी संजय उर्फ संजू को पुणे से गिरफ्तार कर लिया है। थाना बोरदेही में आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

रायसेन में टैंकर आते ही बर्तनों के साथ दौड़े लोग

गांवों में पानी के लिए रतजगा; कोकलपुर में कुएं पर दबंगों का कब्जा

रायसेन। रायसेन जिले में 44 डिग्री सेल्सियस तापमान के बीच भीषण जल संकट पैदा हो गया है। बुधवार सुबह शहर के ताजपुर वार्ड और बेगमगंज तहसील के कोकलपुर गांव में लोग बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान नजर आए। शहर में जहां टैंकर आते ही पानी भरने की होड़ मच गई, वहीं गांवों में ग्रामीण पुराने कुओं का दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। नगर पालिका का पानी का टैंकर वार्ड में पहुंचते ही पूरे इलाके में हलचल मच गई। बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग हाथों में बर्तन लेकर टैंकर की ओर दौड़ पड़े और कई लोगों ने अपने निजी पाइप सीधे टैंकर में डालकर तेजी से पानी भरना शुरू कर दिया।

एक दिन छोड़कर सप्लाई, आबादी के मुकाबले पानी कम : स्थानीय रहवासियों ने बताया कि वार्ड में एक दिन छोड़कर पानी की सप्लाई की जा रही है। भीषण गर्मी के कारण पानी की जरूरत लगातार बढ़ रही है, लेकिन नगर पालिका के टैंकर आबादी और जरूरत के मुकाबले नाकाफी साबित हो रहे हैं। इस वजह से लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है।

कोकलपुर में दूषित पानी पीने को मजबूर ग्रामीण : बेगमगंज तहसील के ग्राम कोकलपुर में पानी की किल्लत और ज्यादा गंभीर है। करीब दो हजार की आबादी वाले इस गांव में लोगों को पानी के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि कई परिवार गांव के बाहर स्थित पुराने कुओं का दूषित पानी पीने को मजबूर हैं।

सरकारी कुएं में दबंगों ने डाली निजी मोटर : ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के सरकारी कुएं में कुछ दबंग लोगों ने अपने निजी मोटर पंप डाल रखे हैं। इन पंपों के जरिए बड़ी मात्रा में पानी खींच लिया जाता है, जिससे गांव की पानी की टंकी तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पाता। इसके चलते ग्रामीणों को प्रतिदिन केवल तीन से चार कुप्पा पानी ही मिल पा रहा है। महिलाओं को पानी भरने के लिए सुबह से घंटों लाइन में लगना पड़ रहा है।

कलेक्टर ने किया पनागर तहसील कार्यालय का औचक निरीक्षण

राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए दिये आवश्यक निर्देश

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने आज पनागर तहसील कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण कर राजस्व प्रकरणों के निराकरण की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा, राजस्व वसूली एवं अतिक्रमण से संबंधित लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर अधिकारियों को शासन के निदेर्शानुसार शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण में पाया गया कि सीमांकन एवं नामांतरण के कई प्रकरणों के निराकरण में आशाजनक प्रगति नहीं मिलने पर कलेक्टर सिंह ने नाराजगी व्यक्त करते हुए तहसीलदार से प्रकरणों के लंबित होने के कारण की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि आमजन से जुड़े प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निराकरण किया जाए। राजस्व

वसूली की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने संबंधित राजस्व निरीक्षक को निर्धारित लक्ष्य समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही अवैध कॉलोनियों से जुड़े नामांतरण मामलों पर विशेष सतर्कता बरतने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन स्तर पर अवैध कॉलोनियों के नामांतरण पर रोक लागू है, इसलिए ऐसे किसी भी प्रकरण का नामांतरण नहीं किया जाए।

कलेक्टर ने खरीदी केन्द्र का किया निरीक्षण, दिये आवश्यक निर्देश

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने आज सिहोरा के जुझारी स्थित स्पर्श वेयरहाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गेहूं खरीदी, भंडारण व्यवस्था एवं तुलाई कार्य की जानकारी ली। संभावित बारिश को देखते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन के दिशा-निदेर्शों के अनुसार खरीदी एवं तुलाई कार्य शीघ्र पूर्ण कर गेहूं को सुरक्षित रूप से गोदामों में संग्रहित किया जाए, ताकि किसी प्रकार की क्षति न हो। कलेक्टर सिंह ने संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसानों की सुविधा एवं शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्यों में लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान जबलपुर एसडीएम अभिषेक सिंह तथा संबंधित क्षेत्र के तहसीलदार मौजूद थे।

किसी भी स्थिति में न हो गोचर भूमि का आबंटन : स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्यप्रदेश गोपालन एवं पशुधन संवर्द्धन बोर्ड (गो संवर्द्धन बोर्ड) के पूर्व अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि ने मध्यप्रदेश शासन के मुखिया डां.श्री मोहन यादव की अभी हाल में की गई घोषणा शासन द्वारा प्रदेश में पचास लाख पट्टे दिये जायेंगे। शासन की यह जिम्मेदारी बनती हैं, आवास हीनों को आवास निर्माण हेतु लघुकाय भू-खण्ड उपलब्ध करायें ताकि प्रदेश में निर्धन तबके के लोगों के आवासीय घर बन सकें, माननीय मुख्यमंत्री जी की उक्त घोषणा का हम स्वागत करते हैं। भू-खण्ड के पट्टे वितरण में सावधानी यह होनी चाहिये की प्रदेश में राजस्व रिकार्ड में जो भू-खण्ड गोचर(चरनोई) या तत्सम भूमि दर्ज हो, उसका वितरण हरगिज नहीं होना चाहिए। ऐसी भूमि मूक प्राणियों के हक की भूमि होती है जिसमें गोवंश और अन्य मूक प्राणियों का उन्हें प्राकृतिक आहार हरा चारा सहज रूप से उपलब्ध होता है। गोचर(चरनोई)भूमि का कोई भी भाग मनुष्यों को पट्टे के बतौर नहीं दिया जाना चाहिये। गोचर(चरनोई) भूमि की सकूनत(मद)परिवर्तित नहीं की जा सकती। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने भी गाईड लाईन निर्धारित की है ,किसी भी ग्राम पंचायत की भूमि के कुल रकबे में से दो प्रतिशत भूमि मूक प्राणियों के विचरण एवं उसके पोषण प्राकृतिक आहार (हरि घास)हेतु छोड़नी चाहिये ऐसी छोड़ी गई भूमि का आबंटन अन्य कार्यों के लिये नहीं होना चाहिये। बल्कि मैं मध्य प्रदेश के शासनकताओं और प्रशासनिक अधिकारियों से यह कहना चाहता हूं कि-आवास हीनों को भूमि के पट्टे वितरण में यह सावधानी अवश्य रखनी होगी,भूल से भी मूक प्राणियों के हक की भूमि वितरित न हो।इसका दूसरा पक्ष यह भी है कि-जिन लोगों ने ऐसी भूमि पर कब्जा कर रखा है उनके कब्जा बेदखल किये जाने चाहिये। प्रदेश के गोवंश सहित मूक प्राणियों का आहार अबाध गति से उन्हें उपलब्ध हो।

वर्षा पूर्व तैयारियों को लेकर सुबह से ही सक्रिय रहे निगमायुक्त, अधिकारियों के साथ पूल गाड़ी में किया वार्डों का सघन निरीक्षण

संसाधनो का बेहतर प्रबंधन, एक ही गाड़ी में निकले तीन अधिकारी

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए नगर निगम पूरी तरह मुस्तैद और सक्रिय नजर आ रहा है। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने संभाग क्रमांक 1 गढ़ा के अंतर्गत आने वाले तीन प्रमुख वार्डों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में नाला और नालियों की सफाई व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त के साथ अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चैहान और अशफाक परवेज कुरैशी भी मौजूद रहे। खास बात यह रही कि सभी अधिकारियों ने निगमायुक्त की गाड़ी में ही एक साथ बैठकर वार्डों का भ्रमण किया। नगर निगम में पूल वाहन के इस बेहतर उपयोग की सराहना की जा रही है, जिससे न केवल शासकीय संसाधनों की बचत हो रही है बल्कि अधिकारियों के बीच आपसी समन्वय भी मजबूत दिख रहा है।

निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने गढ़ा क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में घूमकर सफाई व्यवस्था को परखा। उन्होंने वर्षाकाल के दौरान जलप्लावन की स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य अमले को विशेष रूप से निर्देशित किया। निगमायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी छोटे-बड़े नालों और नालियों की सफाई समय सीमा के भीतर पूरी की जाए। वर्षाजल की निकासी व्यवस्था को पूरी तरह व्यवस्थित रखा जाए ताकि आम जनता को जलभराव की समस्या का सामना न करना पड़े। संवेदनशील क्षेत्रों में सफाई कार्य पर विशेष निगरानी रखी जाए।

निरीक्षण के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सहभागिता भी देखने को मिली। वार्ड भ्रमण के अवसर पर निगमायुक्त के साथ क्षेत्रीय पार्षद जीतू कटारे भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने क्षेत्र की जमीनी समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया। प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के इस आपसी तालमेल से गढ़ा क्षेत्र के नागरिकों में एक सकारात्मक संदेश गया है कि इस बार वर्षा ऋतु में जलभराव की समस्या से बड़ी राहत मिलेगी। नगर निगम के इस त्वरित कदम से साफ है कि प्रशासन मानसून के आगमन से पहले ही शहर की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए पूरी गंभीरता से जुट गया है।

ईश्वर कृपा से कर्म देते हैं सुख : नरसिंह देवाचार्य

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

हमारे जीवन में कर्म और कृपा दोनों महत्वपूर्ण है। ईश्वर ने कर्म करने की हमें स्वतंत्रता प्रदान की है और कृपा तो भगवान ही करते हैं। कर्म के साथ ईश्वर कृपा हो तो वह कर्म विश्राम और सुखदायक हो जाता है। ईश्वर कृपा से रहित कर्म दुखदाई व थकाने वाला हो जाता है। ईश्वर की कृपा उसी को प्राप्त होती है, जो उस कृपा को प्राप्त करने के लिए प्रयास करता है, जो ईश्वर की आज्ञानुसार चलता है और ईश्वर की प्रसन्नता के लिए कर्म करता है। श्रीकृष्ण सुदामा की घनिष्ठ मित्रता थी, भगवान श्री कृष्ण की लीला काल में आने वाले कष्ट और दरिद्रता को स्वयं अपने ऊपर ले लिया था और हरि नाम स्मरण कर सपरिवार भगवत पूजन अर्चन कर सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना करते करते द्वारिका पुरी पहुंचे तो स्वयं नारायण ने अगवानी की और सप्त जन्मों के दुःख दरिद्र और विपनता को हर लिया। भगवान पर विश्वास कर सदैव हरि स्मरण करना चाहिए। उक्त उद्गार श्रीमद् जगतगुरु नरसिंह पीठाधीश्वर डॉ स्वामी नरसिंह देवाचार्य महाराज ने श्री आदर्श केशरवानी वैश्य समाज संगठन आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के विश्राम दिवस में सुदामा चरित्र, भागवत महात्म, परीक्षित मोक्ष की कथा में श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ सप्ताह में दुर्गा मंदिर कैलाशपुरी हाथीताल जबलपुर में कहे।श्रीमदभागवत महापुराण, व्यास पीठ का पूजन अर्चन आरती यजमान गोकुल केसरवानी ने किया।

6 वर्षीय हार्दिक को मिला आयुष्मान भारत योजना का मिला लाभ

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जिला प्रबंधक, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम से प्राप्त जानकारी अनुसार जिला जबलपुर में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत फूटाताल, बधैया मोहल्ला निवासी हृदय रोग से ग्रसित 06 वर्ष के बालक हार्दिक कोष्टा को मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना के माध्यम से सफल सर्जरी कर नया जीवन प्रदान किया। जिला प्रबंधक, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम जबलपुर द्वारा बालक का रजिस्ट्रेशन कराकर परिजन की सहमति उपरांत बालक को बडेरिया मैट्रोप्राईम मल्टीस्शिलिटी हॉस्पिटल जबलपुर रैफर किया गया। उक्त चिकित्सालय में दिनांक 18 मई को बालक की सफल सर्जरी निःशुल्क की जाकर नया जीवन प्रदान किया गया।

फर्जी डॉक्टरो पर कार्यवाही की मांग

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्य प्रदेश के दमोह और जबलपुर में फर्जी डिग्री के आधार पर डॉक्टरों की नियुक्ति का मामला अत्यंत गंभीर और चिंताजनक है। यह घटना केवल स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही ही नहीं बल्कि पूरी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करती है। एक और जहां मेहनती विद्यार्थी कठिन परीक्षाएं देकर डॉक्टर बनने का सपना देखते हैं वहीं दूसरी ओर कुछ लोग फर्जी दस्तावेजों के सहारे नौकरी प्राप्त कर समाज और चिकित्सा पेशे की गरिमा को कलंकित कर रहे हैं। राज्य सरकार सभी सरकारी कर्मचारियों को अधिकारियों के शैक्षणिक दस्तावेजों की गहन जांच करें, फर्जी डॉक्टरों और इससे जुड़े सभी लोगों पर कठोर कार्रवाई की मांग अल्पसंख्यक कांग्रेस नेता बलविंदर महान, हाजी मुईन खान, एड. हाजी अयाज खान, फैजान कुरैशी, एड. आसिफ मंसूरी, शाकिर कुरैशी, हुर वी, कहकशां अंजुम, मंजू पिल्ले, एल्बर्ट एंथोनी, अशरफ मंसूरी, राजकुमार जैन मामा, अतुल जोसेफ, राजेंद्र जैन बंधु, नेक राम पटेल, संजय वर्मा, अशोक यादव, जितेंद्र यादव, शिव कुमार सोनी, अनिल गुप्ता, सचिन जैन, संजय जैन किपी, डॉ. चंद्रेश जैन, डॉ. महेंद्र जैन, अमित जैन युवा, निर्मल चंद जैन, मार्को बाबा, नरेश साहू, सुभाष पटेल, हाजी हामिद खान, मोहम्मद असलम, डॉ. अलीम मंसूरी, मकसूद मंसूरी, अब्दुल रहमान मलिक, अभिमन्यु शर्मा, दिलावर खान, रिंकू कुशवाहा, सुखेंद्र सिंह लोधी, अनुराग शुक्ला, ऐश्वर्य ठाकुर, सफी खान, युग लोधी, अरविंद पंडा, सौरभ विश्वकर्मा आदि ने की है।

पूर्व प्रधानमंत्री गांधी की पुण्यतिथि आज

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शहर जिला कांग्रेस कमेटी के नगर अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा एवं महासचिव मनोज नामदेव ने समस्त शहर जिला कांग्रेस कमेटी कांग्रेस विधायक पूर्व मंत्री एवं पार्षद गण, पदअधिकारी गण एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सेवादल कांग्रेस, महिला कांग्रेस, युवक कांग्रेस, एनएसयूआई कांग्रेस एवं कांग्रेस के सभी प्रकोष्ठ पदधिकारीयो कार्यकर्ताओ से अपील की है कि आज प्रातः 9.30 बजे ज्योति टाकिज नौदरा ब्रिज स्थित स्व राजीव गांधी विशाल प्रतिमा स्थल पर श्रद्धांजलि आयोजन आयोजित किया गया है सभी से उपस्थित की अपील की है।

छात्रों को प्रतिस्पर्धी दुनिया के लिए सक्षम और आत्मनिर्भर बनाता है विश्वविद्यालय : कुलगुरु प्रो. वर्मा

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय परिसर ने नए शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय एमपी ऑनलाइन पोर्टल या शासन के ई-प्रवेश पोर्टल के माध्यम से विद्यार्थी विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन कर सकते हैं। बुधवार को प्रवेश पोर्टल प्रारंभ बैठक में कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने बताया कि यह परिसर आधुनिक शिक्षा, उत्कृष्ट संसाधनों और रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के साथ युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए तैयार है। विद्यार्थियों और अभिभावकों से अपील की है कि वे समय पर आवेदन कर अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में पहला कदम बढ़ाएं। विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि छात्रों को प्रतिस्पर्धी दुनिया के लिए सक्षम और आत्मनिर्भर बनाना है। विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी सभा भवन में आयोजित बैठक में प्रवेश समिति संयोजक प्रो. सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि इस बार विश्वविद्यालय ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाईन पोर्टल ओपन होने के साथ ही प्रारंभ हो गई है, जिसमें विद्यार्थी कहीं से भी ऑनलाईन पोर्टल या शासन के ई-प्रवेश पोर्टल के माध्यम से अपना ऑनलाईन प्रवेश सुनिश्चित कर सकता है। विश्वविद्यालय शिक्षण विभागों के विषयवार सीटों की संख्या, पात्रता मानदंड और पूरी प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है। यह सुनिश्चित किया गया है कि सभी आवश्यक सूचनाएं ऑनलाइन माध्यम से सुलभ हों, जिससे प्रवेश प्रक्रिया पारदर्शी और सरल बन सके। विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, एक समृद्ध केंद्रीय पुस्तकालय, वाई-फाई युक्त परिसर, और छात्रावास सहित आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं प्रदान करता है। बैठक में डॉ. अजय गुप्ता, डॉ. विनय तिवारी, डॉ. विनीता तिवारी, डॉ. निधि सक्सेना, डॉ. आशा रानी, डॉ. जया सिंह, डॉ. अजय मिश्रा, डॉ. उमाकांत गजवीर, डॉ. संजीव श्रीवास्तव, डॉ. राकेश भट्ट, डॉ. प्रदीप विश्वकर्मा, डॉ. अर्पण शुक्ला, डॉ. अमरीषा देशमुख, डॉ. रंजना मिश्रा सहित समिति के अन्य सदस्यगण मौजूद रहे।

सांसद दुबे का ग्राम पंचायतों में जनसंपर्क प्रवास संपन्न

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जबलपुर लोकसभा सांसद आशीष दुबे ने पाटन विधानसभा अंतर्गत मझोली पूर्व मंडल के विभिन्न ग्राम पंचायतों का दौरा कर, ग्रामीण क्षेत्रों की विकास संबंधी आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर उन्होंने स्थानीय नागरिकों से भेंट कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी साझा की। अपने दिवसीय प्रवास के दौरान सांसद दुबे ने मड़ई, छपरा, पहरुआ, बरगी, मोहला, धनगवां, महगवां, खलरी, डूंडी, हरदुआ, बरखेड़ा, दिनारी खमरिया, गौरहा एवं गंजताल ग्राम पंचायतों में पहुंचकर स्थानीयजनों, किसानों, महिलाओं एवं युवाओं से संवाद किया। प्रत्येक स्थान पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, भाजपा कार्यकताओं एवं ग्रामवासियों से चर्चा कर स्थानीय समस्याओं एवं विकास कार्यों से संबंधित सुझाव व जानकारी प्राप्त की। प्रवास के दौरान सांसद दुबे ने सड़क निर्माण,पेयजल व्यवस्था,कृषि सुविधाएं,विद्युत आपूर्ति तथा अन्य स्थानीय आवश्यकताओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए संबंधित विषयों के त्वरित समाधान हेतु आवश्यक कार्यवाही का भरोसा दिलाया। प्रवास के दौरान राजेश दाहिया, रामकृष्ण पटेल, कमलेश पटेल, प्रमोद मिश्रा, नरेंद्र पटेल, विनय असाटी, आशीष पटेल, अल्का गर्ग, नीलू बाजपेयी, अंकित तिवारी, रवि यादव, सुमित मिश्रा, विवेक पटेल सहित भाजपा परिवारजन एवं स्थानीयजन उपस्थित रहे।

नीट पेपर लीक के विरोध में युवा कांग्रेस ने किया उग्र प्रदर्शन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

देशभर में चर्चित नीट पेपर लीक मामले को लेकर छात्रों और युवाओं में लगातार आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को युवा कांग्रेस ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान युवा कांग्रेस कार्यकर्ता जबलपुर-आधारताल रेलवे ट्रैक पर उतर गए और भोपाल जाने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस को रोक दिया। इस दौरान कार्यकताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। "प्रधानमंत्री वीक है, तभी तो पेपर लीक है" जैसे नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। रेलवे ट्रैक पर प्रदर्शन की सूचना मिलते ही आरपीएफ और आधारताल थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने समझाइश के बाद प्रदर्शनकारियों को ट्रैक से हटाया और कुछ देर तक रुकी ट्रेन को पुनः रवाना कराया। इसके बाद रेलवे यातायात बाधित करने के मामले में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ की गई। यह प्रदर्शन युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया के नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस कार्यकर्ता, छात्र और स्थानीय पदाधिकारी शामिल हुए। सभी ने हाथों में तख्तियां लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं की उच्चस्तरीय जांच की मांग उठाई।

संपादकीय

संघर्ष की आग में तपकर चमकता है इंसान

संघर्ष ही जीवन है और मनुष्य को अपने जीवन में पल-पल संघर्ष करना पड़ता है। वास्तव में, संघर्ष बड़ी चीज है। जो संघर्ष से डरता है, वह जीवन के असली आनंद से वंचित रह जाता है।प्रकृति ने इंसान के अंदर जो सबसे बड़ी ताकत दी है, मनुष्य को संघर्ष करने की क्षमता। यही संघर्ष इंसान को आगे बढ़ने, सीखने, और जीवन में कुछ बड़ा बनने, कुछ कर गुजरने के लिए लगातार प्रेरित करता रहता है। कभी यह संघर्ष हमें दुख देता है, तो कभी कोई नया और सुंदर अनुभव देता है, लेकिन हर हाल में यह हमें जीवन में आगे बढ़ना ही सिखाता है। इंसान का पूरा जीवन-जन्म से लेकर मृत्यु तक-चुनौतियों और परीक्षाओं से भरा होता है, जिससे कोई भी बच नहीं सकता। इसलिए अगर हमें अपने लक्ष्य तक पहुँचना है, तो संघर्ष करना अनिवार्य है।संघर्ष को जीवन की बाधा नहीं, बल्कि सफलता की सीढ़ी कहा गया है। यह इंसान को तोड़ता नहीं, बल्कि उसे मजबूत बनाता है, सोच को परिपक्व करता है और उसे असली पहचान देता है।ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने यह बात कही है कि-ह्यसंघर्ष इंसान को मजबूत बनाता है, हार मानना उसे कमजोर।ह्लचाणक्य का कहना है कि-ह्य संघर्ष में मिला अनुभव किसी भी शिक्षा से अधिक मूल्यवान होता है।ह्लस्वामी विवेकानंद जी ने यह बात कही है कि-ह्यजिस दिन आपको कोई संघर्ष न मिले, समझ लेना आप गलत रास्ते पर चल रहे हैं।ह्ल कहना गलत नहीं होगा कि मनुष्य के जीवन में मिलने वाली हर सीख, समझ और सफलता किसी न किसी संघर्ष से होकर ही आती है। जैसे सोना आग में तपकर शुद्ध और चमकदार बनता है, उसी तरह इंसान भी कठिन परिस्थितियों से गुजरकर निखरता है। धन कमाना हो, ऊँचा पद पाना हो या करियर बनाना हो-कोई भी लक्ष्य बिना मेहनत और संघर्ष के हासिल नहीं होता। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि संघर्ष केवल धन और पद तक सीमित नहीं है।स्वस्थ रहना भी अपने आप में एक निरंतर चलता रहने वाला संघर्ष है, जिसमें हमें आलस्य, गलत आदतों, बीमारियों और मानसिक तनाव से रोज लड़ना पड़ता है। आदमी स्वस्थ रहने के लिए टहलता है, अपनी डाइट, अपनी दिनचर्या का ध्यान रखता है,यह संघर्ष ही तो है।सच तो यह है कि जीवन का शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र हो, जहाँ बिना संघर्ष किए आगे बढ़ा जा सके। यही संघर्ष मनुष्य को भीतर से मजबूत बनाता है, उसे समझदार बनाता है और अंततः सफलता के शिखर तक पहुँचाता है। संघर्ष मनुष्य को तोड़ता नहीं, बल्कि उसे और बेहतर ढंग से गढ़ता है। वह बुद्धि को पैना करता है, उत्साह को जगाता है, विश्वास को मजबूत करता है और कल्पनाशक्ति को बढ़ाता है। यही वह चीज है, जो मनुष्य को अपने भीतर छिपे उस उद्देश्य की खोज करने के लिए प्रेरित करता है, जिसके लिए वह इस धरती पर आया है। यह आत्मसंतोष और आलस्य की नींद से बाहर निकालकर उसे जीवन की अनवरत गति में बनाए रखता है। मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति वही है, जो उसे सबसे बड़ी चुनौती देती है और यही सत्य है। शक्ति, चाहे शारीरिक हो या मानसिक, संघर्ष की ही उपज है। जो व्यक्ति चुनौतियों का सामना करता है, वह अंततः वही शक्ति प्राप्त करता है, जिसकी उसे अपनी विजय के लिए आवश्यकता होती है।जीवन की राह स्पष्ट है-गतिशील रहो या फिर समाप्त हो जाओ। यहां कोई अपवाद नहीं, कोई समझौता नहीं।यह लेखक एक प्रतिष्ठित हिंदी दैनिक में यह पढ़ रहा था कि-ह्यप्रकृति बताती है कि सबसे मजबूत वृक्ष वे नहीं हैं, जिन्हें सुरक्षा मिली हो, बल्कि वे हैं, जिन्होंने खुले मैदान में तूफानों का सीधे सामना किया हो।ह्ल संघर्ष का बेहतरीन उदाहरण प्रसिद्ध बॉक्सिंग खिलाड़ी मैरी कॉम हैं।वे संघर्ष की मिसाल हैं।

यात्री खामयाजा क्यों भुगते

अब धीरे धीरे फ्लाइट आम लोगों के बस से बाहर होते जा रहा है ट्रेन में देरी या रद्द तो पहले से चलता आ रहा था अब बंदे भारत के आने से स्तिथि कुछ सुधरी है लेकिन अब फ्लाइट में रद्द होने से अफरा तफरी का माहौल हो रहा है आज यानी 5दिसम्बर को मेरे भाई पटना जाने वाले थे और पटना से 6 दिसंबर को माँ बाबू जी मुंबई आने वाले थे सारी तैयारी पुरी हो चुकी थी कि अचनाक 4 दिसंबर को ही मैसेज आया की फ्लाइट कैंसिल हो गया है अतः अब जब कैंसिल हो गया तो उसकी क्या व्यवस्था की आप इमरजेंसी में जा रहें हैँ तो फिर दूसरे फ्लाइट में किराया 4 गुना क्यों है क्योंकि आप आम आदमी हैं आपके लिए फ्लाइट नहीं है जो पैसा पानी की तरह देगा वो जा सकता है ऐसे राजनेता पर लागू नहीं है क्योंकि वो वीआईपी हैं इसलिए अब सरकार को ऐ सोचना चाहिए की नियम को लागू करना सही है लेकिन उससे कितने को तकलीफ होगा जब से अहमदाबाद से लन्दन जा रही एयर इंडिया की ड्रीम लाइनर विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ जिसमें एक को छोड़कर सभी यात्रियों की मौत हो गई थी टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने हाल ही में यात्रियों की सुरक्षा को खतरे में डाला। उसने एक ऐसे विमान का संचालन किया जिसकी एयरवर्थिनेस (हवा में उड़ने की योग्यता) का लाइसेंस एक्सपायर हो चुका था। 24-25 नवंबर को एक 164-सीटर एयरबस अ320 विमान आठ बार उड़ा। इसका एयरवर्थिनेस सर्टिफिकेट वैध नहीं था। यह तब सामने आया जब एक इंजीनियर ने इस गड़बड़ी का पता लगाया। विमान को सेवा से हटा दिया गया। इस गंभीर चूक के कारण नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (ऊ्रउअ) ने जांच शुरू कर दी है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब एयर इंडिया जून में हुए एक ड्रीमलाइनर क्रैश के बाद अपनी सुरक्षा छवि को सुधारने की कोशिश कर रही है।कई अधिकारियों का निलंबन भी शामिल हो सकता है। एयर इंडिया ने उन सभी लोगों को निलंबित कर दिया है जो इस विमान को बिना वैध लाइसेंस के उड़ाने के फैसले में शामिल थे। फिलहाल, अ320 विमान डीजीसीए की जांच लंबित रहने तक ग्राउंडेड है। एक्सपायर लाइसेंस के साथ विमान उड़ाने से बीमा कवरेज अमान्य हो सकता है। एक सरकारी अधिकारी ने कहा, यह सुनिश्चित किए बिना कि विमान हवा में उड़ने के लिए प्रमाणित है, विमान का संचालन करके, एयरलाइन ने उड़ान सुरक्षा और सभी यात्रियों की सुरक्षा को खतरे में डाला है। यह एक गंभीर उल्लंघन है और एयर इंडिया जैसी मुख्यधारा की एयरलाइन से इसकी उम्मीद नहीं की जाती है। हालांकि, डीजीसीए समय-समय पर निरीक्षण करता है, लेकिन विमान को एयरवर्थी स्थिति में बनाए रखने की जिम्मेदारी ऑपरेटर की होती है। एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने कहा, जैसे ही यह हमारे ध्यान में आया, हमने तुरंत डीजीसीए को सूचित कर दिया। हमने एक व्यापक आंतरिक जांच शुरू की है।

आमतौर पर क्या होती है प्रक्रिया वरिष्ठ विमान इंजीनियरों का कहना है कि आधुनिक सॉफ्टवेयर के साथ लाइसेंस रिन्यू या रखरखाव जैसे निर्धारित कामों को चूकना बहुत मुश्किल है। एयर इंडिया के पास एक इन-हाउस कंटीन्यूइंग एयरवर्थिनेस मैनेजमेंट ऑर्गनाइजेशन है, जो इस काम के लिए जिम्मेदार है। एक ऊ्रउअ निरीक्षक ने बताया, आमतौर पर एक एयरलाइन अपने सर्टिफिकेट के नवीनीकरण का काम नियत तारीख से कम से कम तीन महीने पहले शुरू कर देती है ताकि वह समय से पहले रिन्यू हो जाए। उन्होंने आगे कहा, दैनिक संचालन के अंत में जब विमान रात भर के लिए पार्क किया जाता है तो एक इंजीनियर जांच करता है कि सभी दस्तावेज और अनुमोदन सही हैं या नहीं। यह तथ्य कि विमान एक्सपायर लाइसेंस के साथ आठ बार उड़ा, एयर इंडिया की सुरक्षा संस्कृति के बारे में बहुत सारे सवाल खड़े करता है।

अपराधमुक्त राजनीति से ही संभव है नया भारत-विकसित भारत

-: ललित गर्ग:-

भारत आज एक ऐतिहासिक संक्रमण काल से गुजर रहा है। एक ओर देश विकसित भारत-2047 के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, वैश्विक मंचों पर भारत की प्रतिष्ठा निरंतर बढ़ रही है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व राजनीति और कूटनीति के केंद्र में उभर रहा है, वहीं दूसरी ओर भारतीय राजनीति में अपराध, धनबल और बाहुबल की बढ़ती पैठ लोकतंत्र की आत्मा को आहत कर रही है। यह विडंबना ही है कि जिस भारत को विश्वगुरु बनने का स्वप्न दिखाया जा रहा है, उसकी राजनीति अभी भी अपराधमुक्त नहीं हो सकी है। हाल ही में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद सामने आए आंकड़ों ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। समाचार पत्रों में प्रकाशित एडीआर (ऐसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिपोर्ट) की रिपोर्ट के अनुसार पश्चिम बंगाल विधानसभा के लगभग 65 प्रतिशत विधायक आपराधिक मामलों वाले हैं, जबकि 61 प्रतिशत विधायक करोड़पति हैं। रिपोर्ट के अनुसार 294 विधायकों में से 190 विधायकों ने अपने विरुद्ध आपराधिक मामले घोषित किए हैं तथा लगभग 142 विधायकों पर गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। इनमें हत्या, हत्या के प्रयास, महिलाओं के विरुद्ध अपराध और अन्य गंभीर मामले भी शामिल हैं।

यह केवल पश्चिम बंगाल की स्थिति नहीं है। संसद और देश की अनेक विधानसभाओं की स्थिति भी इससे बहुत अलग नहीं है। पिछले कुछ वर्षों के चुनावी विश्लेषण बताते हैं कि उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना सहित अनेक राज्यों में बड़ी संख्या में ऐसे जनप्रतिनिधि चुनकर आए हैं जिन पर गंभीर आपराधिक आरोप हैं। लोकतंत्र के मंदिरों में अपराध और दागी छवि वाले लोगों की बढ़ती उपस्थिति आज राष्ट्रीय चिंता का विषय बन चुकी है। राजनीति मूलतः लोकसेवा, नैतिक नेतृत्व और राष्ट्रनिर्माण का माध्यम मानी गई थी। महात्मा गांधी, जयप्रकाश नारायण, लाल बहादुर शास्त्री, अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेताओं ने राजनीति को मूल्य आधारित दिशा दी। लेकिन समय के साथ राजनीति में वैचारिक प्रतिबद्धता का स्थान धीरे-धीरे चुनावी गणित, धनबल और प्रभावशाली समूहों ने लेना शुरू कर दिया। आज कई राजनीतिक दल उम्मीदवार चयन में योग्यता, चरित्र और जनसेवा की बजाय ह्लजीतने की क्षमताह्ल को प्राथमिकता देते दिखाई देते हैं। यही कारण है कि दागी छवि वाले व्यक्तियों को भी टिकट देने में संकोच नहीं किया जाता।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र की राजनीति में आने के बाद अनेक मंचों से राजनीति के अपराधीकरण पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने संसद में और सार्वजनिक मंचों पर कई बार कहा कि राजनीति को अपराधमुक्त बनाना लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों के शीघ्र निपटान के लिए विशेष अदालतों की आवश्यकता पर बल दिया। किंतु चिंता का विषय यह है कि आज भी लगभग सभी राजनीतिक दलों की स्थिति समान दिखाई देती है। चुनाव जीतने की मजबूरी और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के कारण दल अपराधी और दागी उम्मीदवारों को टिकट देने से परहेज नहीं कर पा रहे हैं। इस स्थिति के पीछे कई कारण हैं। पहला कारण है चुनावों का अत्यधिक खचीर्ला होना। आज चुनाव लड़ना सामान्य व्यक्ति की क्षमता से बाहर होता जा रहा है। बड़े संसाधनों वाले और आर्थिक रूप से प्रभावशाली लोग चुनावी प्रक्रिया में अधिक सक्रिय हो रहे हैं। दूसरा कारण है बाहुबल और प्रभाव का उपयोग। कई क्षेत्रों में आज भी राजनीतिक प्रभाव स्थापित करने के लिए शक्ति प्रदर्शन को महत्वपूर्ण माना जाता है। तीसरा कारण है न्यायिक प्रक्रिया की धीमी गति। गंभीर अपराधों से जुड़े मामलों के वर्षों तक लंबित रहने के कारण आरोपी चुनाव लड़ते रहते हैं और जनप्रतिनिधि बन जाते हैं।

राजनीति में अपराधीकरण का दूसरा बड़ा पक्ष है धनबल। पश्चिम बंगाल विधानसभा के आंकड़े बताते हैं कि 61 प्रतिशत विधायक करोड़पति हैं। यह प्रवृत्ति पूरे देश में दिखाई देती है। संसद और विधानसभाओं में करोड़पति जनप्रतिनिधियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। प्रश्न यह है कि क्या लोकतंत्र धीरे-धीरे सामान्य नागरिक की पहुंच से दूर होता जा रहा है? यदि राजनीति केवल धनवान और प्रभावशाली वर्गों तक सीमित हो जाएगी तो लोकतंत्र की समावेशी भावना कमजोर होगी। इन परिस्थितियों में नागरिक समाज और लोकतांत्रिक संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारतीय मतदाता संगठन इस दिशा में उल्लेखनीय प्रयास कर रहा है। इसके संस्थापक रिखबचंद जैन के नेतृत्व में लंबे समय से राजनीति को स्वच्छ और अपराधमुक्त बनाने की दिशा में जनजागरण अभियान चलाए जा रहे हैं। संगठन मतदाता जागरूकता, नैतिक मतदान, स्वच्छ राजनीति और जिम्मेदार नागरिकता को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रहा है। लोकतंत्र को केवल चुनावी प्रक्रिया नहीं, बल्कि मूल्य आधारित व्यवस्था मानते हुए यह संगठन समाज को जागरूक करने का प्रयास कर रहा है कि मतदाता केवल जाति, धर्म, क्षेत्र या दलगत निष्ठा के आधार पर नहीं, बल्कि उम्मीदवार के चरित्र और सार्वजनिक जीवन को देखकर मतदान करें। इसी प्रकार एडीआर (ऐसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिपोर्ट) जैसे संगठन भी चुनावी पारदर्शिता और जनप्रतिनिधियों की पृष्ठभूमि सार्वजनिक करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। इन संगठनों के कारण आज मतदाताओं को उम्मीदवारों के आपराधिक मामलों, संपत्ति और शिक्षा संबंधी जानकारी उपलब्ध हो रही है। यह लोकतंत्र को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

राष्ट्रीय चुनाव आयोग भी इस दिशा में लगातार प्रयासरत है। सर्वोच्च न्यायालय के निदेर्शों के बाद राजनीतिक दलों को उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड सार्वजनिक करने के निर्देश दिए गए हैं। उम्मीदवारों को शपथपत्र में अपनी आपराधिक पृष्ठभूमि, संपत्ति और देनदारियों की जानकारी देना अनिवार्य किया गया है। चुनाव आयोग लगातार मतदाता जागरूकता अभियान चला रहा है। किंतु केवल औपचारिक प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। इन प्रयासों को अधिक तीव्र, व्यापक और प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। आज आवश्यकता है कि राजनीति के अपराधीकरण के विरुद्ध राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक आंदोलन खड़ा किया जाए। इसके लिए कुछ ठोस कदम आवश्यक हैं- पहला, जिन उम्मीदवारों पर हत्या, बलात्कार, अपहरण, भ्रष्टाचार जैसे गंभीर आरोप न्यायालय द्वारा तय हो चुके हों, उनके चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगाने पर गंभीर विचार होना चाहिए। दूसरा, जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों के त्वरित निपटान हेतु विशेष न्यायालयों की संख्या बढ़ाई जाए ताकि वर्षों तक मुकदमे लंबित न रहें। तीसरा, राजनीतिक दलों को दागी उम्मीदवारों को टिकट देने पर जवाबदेह बनाया जाए। उन्हें सार्वजनिक रूप से बताना चाहिए कि स्वच्छ छवि वाले उम्मीदवार उपलब्ध होने के बावजूद दागी व्यक्ति को क्यों चुना गया। चौथा, चुनावी खर्च पर कठोर नियंत्रण और पारदर्शिता लाई जाए ताकि सामान्य और योग्य नागरिक भी राजनीति में प्रवेश कर सकें। पांचवां, मतदाता जागरूकता को जनांदोलन बनाया जाए। जब तक मतदाता स्वयं दागी उम्मीदवारों को अस्वीकार नहीं करेंगे, तब तक सुधार अधूरा रहेगा।

भारत आज जिस दिशा में बढ़ रहा है, वहां राजनीति की शुचिता और नैतिकता की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। यदि हम 2047 तक विकसित भारत बनना चाहते हैं, यदि हमें विश्वगुरु बनना है, यदि भारत को वैश्विक नेतृत्व करना है, तो राजनीति को अपराध और धनबल के प्रभाव से मुक्त करना ही होगा। आर्थिक शक्ति, तकनीकी प्रगति और वैश्विक प्रतिष्ठा तभी सार्थक होगी जब लोकतंत्र की आत्मा सुरक्षित रहेगी। राजनीति का उद्देश्य सत्ता प्राप्ति नहीं, समाज निर्माण होना चाहिए। लोकतंत्र केवल वोटों का गणित नहीं, बल्कि विश्वास, नैतिकता और जनप्रतिनिधित्व की पवित्र व्यवस्था है। यदि राजनीति अपराधमुक्त होगी तो शासन अधिक पारदर्शी होगा, जनता का विश्वास बढ़ेगा और राष्ट्रनिर्माण की गति भी तेज होगी।

आज आवश्यकता केवल सरकारों या चुनाव आयोग के प्रयासों की नहीं है, बल्कि समाज, मतदाता संगठनों, नागरिक संस्थाओं, मीडिया और जागरूक नागरिकों के संयुक्त अभियान की है। भारतीय मतदाता संगठन जैसे प्रयास इसी दिशा में आशा की किरण हैं। इन प्रयासों को राष्ट्रीय स्वरूप देने की जरूरत है। भारत के विकसित भविष्य की आधारशिला केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि स्वच्छ राजनीति भी है। क्योंकि अपराधमुक्त राजनीति ही विकसित भारत, समृद्ध भारत और विश्वगुरु भारत की वास्तविक पहचान बन सकती है।

लोगों के अधिकारों की सुरक्षा के हो सकारात्मक प्रयास

हम 10 दिसंबर को मानवाधिकारों का उत्सव मनाते है। उस दिन की स्मृति में जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाया था। यह घोषणा हमारे समाजों के मानवाधिकार ढांचे की रीढ़ है, जहां हममें से प्रत्येक को बिना किसी भेदभाव के शांति और सुरक्षा के साथ रहने और फलने-फूलने का अधिकार है। 1950 में संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष की 10 दिसम्बर को विश्व मानवाधिकार दिवस मनाना तय किया था। 75 वर्ष पहले पारित हुआ विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र एक मील का पत्थर हैं। जिसने समृद्धि, प्रतिष्ठा व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित की है। आज यही घोषणा पत्र संयुक्त राष्ट्र संघ का एक बुनियादी भाग है। 10 दिसंबर 2025 को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक प्रतिज्ञाओं में से एक मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा की 77वीं वर्षगांठ है । 2025 में मानवाधिकार दिवस की थीम हमारी रोजमर्रा की अनिवार्यताएं, तीन सरल सत्यों पर जोर देती हैं। मानवाधिकार सकारात्मक हैं, मानवाधिकार आवश्यक हैं, और मानवाधिकार प्राप्य हैं।

मानव अधिकार वे मूल अधिकार हैं जो इस धरती पर प्रत्येक व्यक्ति के पास हैं। मानवाधिकार मौलिक अधिकार और स्वतंत्रता हैं। मानवाधिकारों में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति, राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार और बहुत कुछ शामिल हैं। बिना किसी भेदभाव के हर कोई इन अधिकारों का हकदार है। भारत का स्वतंत्रता आंदोलन मानवाधिकारों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत रहा है। कुछ अधिकार ऐसे होते है जो व्यक्ति को जन्मजात मिलते है। उन अधिकारों का व्यक्ति के आयु, प्रजातीय मूल, निवास-स्थान, भाषा, धर्म पर कोई असर नहीं पड़ता।

देश के विशाल आकार व विविधता तथा सम्प्रभुता सम्पन्न धर्म-निरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में इसकी प्रतिष्ठा तथा एक भूतपूर्व औपनिवेशिक राष्ट्र के रूप में इसके इतिहास के परिणामस्वरूप भारत में मानवाधिकारों की परिस्थिति एक प्रकार से जटिल हो गई है। भारत का संविधान मौलिक अधिकार प्रदान करता है जिसमें धर्म की स्वतंत्रता भी अंतर्भूक्त है। संविधान की धाराओं में बोलने की आजादी के साथ-साथ कार्यपालिका और न्यायपालिका का विभाजन तथा देश के अन्दर एवं बाहर आने-जाने की भी आजादी दी गई है। भारतीय परिदृश्य में यह समझ पाना थोड़ा मुश्किल हैकि क्या वाकई में मनुष्य के लिए चिन्हित किये गए मानवाधिकारों की सार्थकता है।

भारत में 28 सितम्बर 1993 से मानव अधिकार कानून अमल में आया। 12 अक्टूबर 1993 में सरकार ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन किया। आयोग के कार्यक्षेत्र में नागरिक और राजनीतिक के साथ आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार भी आते हैं। जैसे बाल मजदूरी, स्वास्थ्य, भोजन, बाल विवाह, महिला अधिकार, हिरासत और मुठभेड़ में होने वाली मौत, अल्पसंख्यकों और अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकार। पूरे विश्व में इस बात को अनुभव किया गया है और इसीलिए मानवीय मूल्यों की अवहेलना होने पर वे सक्रिय हो जाते हैं। इसके लिए हमारे संविधान में भी उल्लेख किया गया है। संविधान के अनुच्छेद14,15,16,17,19,20, 21,23,24,39,43,45 देश में मानवाधिकारों की रक्षा करने के सुनिश्चित हैं।

कहने में मानवाधिकार शब्द बहुत बड़ा है। क्योंकि मानवाधिकारो से हर व्यक्ति का हित जुड़ा होता है। आज के दौर में कोई भी मानव को उनके वास्तविक अधिकार नहीं देना चाहता है। राजनेता मानव अधिकार की बात तो जोरशोर से करते हैं।

मगर जब अधिकार देने की बारी आती है तो पीछे खिसकने लगते हैं।

राज नेताओं को पता है कि यदि लोगों को उनके अधिकार मिल गये तो तो उनकी नेतागिरी बन्द हो जायेगी। हमारे देश के संविधान में मानव को बहुत सारे अधिकार दिये गये हैं। मगर उन पर अमल नहीं हो पाता है। मानव अधिकारों की रक्षा के लिये बनाये गये कानून महज कागजो में सिमट कर रह जाते हैं।

इतिहास गवाह है की भारत ने कभी भी संस्कृति, धर्म या अन्य कारकों के आधार पर दूसरों को अपने अधीन करने की कोशिश नहीं की है। भारत एक ऐसा देश है जिसके मूल में मानवाधिकार की अवधारणा है। भारत के लोग मानवाधिकारों का सम्मान करते हैं और उनकी रक्षा करने का संकल्प भी लेते हैं। भारत विश्व स्तर पर आज भी मानवाधिकार का समर्थन करता रहा है। मानवाधिकार दिवस की नींव विश्व युद्ध की विभीषिका से झुलस रहे लोगों के दर्द को समझ कर और उसको महसूस कर रखी गई थी। किसी भी इंसान की जिन्दगी, आजादी, बराबरी और सम्मान के अधिकार का नाम ही मानवाधिकार है। भारतीय संविधान इन अधिकारों की न सिर्फ गारंटी देता है, बल्कि इसे तोडने वाले को अदालत सजा भी देती है। पूरी दुनिया में मानवता के खिलाफ हो रहे जुल्मों-सितम को रोकने, उसके खिलाफ संघर्ष को नई परवाज देने में इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका है। हर शख्स को बराबरी का अधिकार देना लोकतंत्र का अहम घटक है। यही वजह है कि आज ज्यादातर सरकार इस अधिकार को कायम करने की कोशिश कर रही है।

इंसानी अधिकार हमारे अस्तित्व और दुनिया में आत्मसम्मान से रहने की गारंटी होते हैं। हमारी भौतिक और आत्मिक सुरक्षा बरकरार रखते हुए लगातार तरक्की में अहम होते हैं। इसके अंतर्गत भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, शोषण से रक्षा का अधिकार, प्रवास का अधिकार, बाल शोषण, उत्पीडन पर रोक, महिला हिंसा, असमानता, धार्मिक हिंसा पर रोक जैसे कई मजबूत कानून बनाए गए हैं। यही वजह है कि हर लोकतांत्रिक देश मानवाधिकार अधिकारों की सशक्त पैरवी करते नजर आते हैं। इस दुनिया में जो भी मानव जन्म लेता है उसके साथ उसके कुछ अधिकार भी वजूद में आते हैं। कुछ अधिकार हमें परिवार देता है तो कुछ समाज, कुछ अधिकार हमारा मुल्क देता है, तो कुछ दुनिया। लेकिन आज भी दुनिया में बहुत से लोग ऐसे हैं जो या तो अपने अधिकारों से अंजान है या उनके अधिकारों का हनन किया जा रहा है। कभी जात के नाम पर तो कभी धर्म के नाम पर, कभी लिंग भेदभाव के जरिए तो कभी रंग भेद नीति को अपनाकर लोगों के इन अधिकारों को कुचला जा रहा है। हर तबके, हर शहर और दुनिया के कोने-कोने में किसी न किसी वजह से लोगों को बराबरी के हक से महरूम रखने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। इतिहास गवाह है कि दुनिया में हुई बड़ी से बड़ी क्रांति के पीछे अधिकारों का हनन ही अहम वजह रही है। हमेशा ही अपने अधिकारों के लिए इंसान को लंबी जंग लडनी पड़ी है। दुनिया में तमाम जगह लोगों ने अपन हक की लड़ाई में लाखों कुर्बानियां दी हैं और आज भी बहुत से लोग अपने अधिकारों की जंग लड़ रहे हैं। मानवाधिकारों की रक्षा के लिए कानून बनाये गए और उनको लागू करने या करवाने के लिए प्रयास भी हो रहे हैं। लेकिन वह सिर्फ कागजी दस्तावेज बन कर रह गए हैं। समाज में मानवाधिकारों के होने वाले उल्लंघन के प्रति अगर मानव ही जागरूक नहीं है तो फिर इनका औचित्य क्या है

देखे तो पता चलेगा की कितने मानवाधिकारों का हनन मानव के द्वारा ही किया जा रहा है। मानव के द्वारा मानव के दर्द को पहचानने और महसूस करने के लिए किसी खास दिन की जरूरत नहीं होती है। अगर हमारे मन में मानवता है ही नहीं तो फिर हम साल में पचासों दिन ये मानवाधिकार का झंडा उठा कर घूमते रहें कुछ भी नहीं किया जा सकता है।

सरकार भी मानवाधिकारो का हनन रोक पाने में पूर्णतया सफल नहीं हो पा रही है। देश में आये दिन मानवाधिकार हनन की घटनायें घटित होती रहती है। मगर सरकारी स्तर पर शख्त कार्यवाही अमल में नहीं लायी जाती है।

जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृति पर रोक लग सके। यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि तमाम प्रादेशिक, राष्ट्रीय और अन्तरर्राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय सरकारी और गैर सरकारी मानवाधिकार संगठनों के बावजूद मानवाधिकारों का लगातार हनन होता रहता है।

सभी संभागों में जल समस्या का समाधान करने नगर निगम द्वारा लगाया गया जल चौपाल

निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव ने जल चौपाल कार्यक्रम का किया निरीक्षण

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

जबलपुर। शहर के सभी संभागों में गर्मी के मौसम में गहराते जल संकट को दूर करने और नागरिकों को राहत पहुंचाने के लिए नगर निगम ने एक बेहद संवेदनशील और प्रभावी कदम उठाया है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के कड़े निर्देश पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जल चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य जनता के बीच जाकर उनकी पानी से जुड़ी समस्याओं को सुनना और मौके पर ही उनका त्वरित निराकरण करना है। इसी कड़ी में निगमायुक्त के निर्देश पर अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव ने विभिन्न संभागों में आयोजित जल चौपाल कार्यक्रमों का औचक निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जल चौपाल के माध्यम से नगर निगम की टीमें सीधे नागरिकों से संवाद कर रही हैं।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने न सिर्फ लोगों की शिकायतें सुनीं, बल्कि कई समस्याओं का मौके पर ही निदान कराया। जिन क्षेत्रों में अभी तक पाइप लाइन का विस्तार नहीं हो पाया है या तकनीकी कारणों से पानी नहीं पहुंच पा रहा है, वहां नागरिकों को परेशान होने की जरूरत नहीं है। नगर निगम ऐसे सभी प्रभावित इलाकों में टैंकरों के माध्यम से सुचारू रूप से जलापूर्ति सुनिश्चित कर रहा है। शहर के उन हिस्सों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है जहां पानी की समस्या अधिक देखी जाती है। मुख्य रूप से कस्तूरबा गांधी वार्ड, कैलाशपुरी पहाड़ी एवं आजाद नगर पहाड़ी क्षेत्र, उखरी बस्ती, रानीताल करबला, शांतिनगर एवं न्यू आनंदनगर तथा अन्य संबंधित जल संकट वाले क्षेत्र में जल चौपाल लगाकर नागरिकों को राहत दी गई। नगर निगम की इस त्वरित कार्यप्रणाली और संवेदनशील पहल से स्थानीय निवासियों में भारी उत्साह और संतोष देखा जा रहा है। पहाड़ी और दूर-दराज की बस्तियों में रहने वाले लोगों का कहना है कि प्रशासन का खुद चलकर उनके द्वार आना और पानी की समस्या को हल करना बेहद सराहनीय है। अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जब तक जल संकट पूरी तरह समाप्त नहीं हो जाता, तब तक चौपाल और टैंकरों के माध्यम से पानी के वितरण की निगरानी लगातार जारी रखी जाए, ताकि किसी भी नागरिक को बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान न होना पड़े।

भारत के शहर क्यों बन रहे हैं आग के गोले ?

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

बरगी बांध विस्थापित संघ के राजकुमार सिन्हा ने बताया कि एक अध्ययन के अनुसार, ग्रामीण इलाकों की तुलना में शहरी इलाकों में बहुत ज्यादा तापमान बढ़ रहा है। पृथ्वी इस समय अतिरिक्त 1.9 डिग्री गर्म होने की ओर है जो पेरिस समझौते के लक्ष्य से कहीं ज्यादा है। जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल से जुड़े जलवायु वैज्ञानिकों की एक टीम ने शोध-पत्र में उल्लेख किया गया है कि भारत का औसत तापमान पिछले एक दशक (2015झ2024) में लगभग 0.9त्त बढ़ गया है, जो 20वीं सदी की शुरूआत (1901-1930) की तुलना में अधिक है। मध्यप्रदेश राज्य जलवायु परिवर्तन क्रियान्वयन योजना 2023झ28 तैयार की है, जिसमें 97,000 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित है। लेकिन पर्यावरण विभाग का बजट मात्र 31 करोड़ रुपये है। जबकि सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की रिपोर्ट बताती है कि जनवरी 2022 से 2025 तक मध्यप्रदेश ने 598 दिनों में गंभीर मौसम का सामना किया है और इस दौरान 1,439 लोगों की मौतें हुई है। सरकार जलवायु संकट की गंभीरता को प्राथमिकता नहीं दे रही है। जबकि पूरी दुनिया जलवायु संकट से निपटने के लिए निवेश बढ़ा रही है, तब मध्यप्रदेश सरकार को ठोस कार्ययोजना बनाने का प्रयास करना चाहिए। जलवायु परिवर्तन अब भविष्य का नहीं, बल्कि वर्तमान का सबसे बड़ा मानवीय संकट बन चुका है। भारत के शहर तेजी से ह्लहीट चैंबरह्व में बदल रहे हैं, जहां कंक्रीट, अंधाधुंध निर्माण, जंगलों की कटाई, तालाबों के विनाश और जीवाश्म ईंधनों पर निर्भर विकास मॉडल ने प्राकृतिक संतुलन को गंभीर रूप से बिगाड़ दिया है। इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव गरीबों, श्रमिकों, बुजुर्गों और कमजोर समुदायों पर पड़ रहा है, जिनके पास बढ़ती गर्मी से बचने के संसाधन नहीं हैं। भोपाल जैसे शहरों में घटता ग्रीन कवर और बढ़ते तापमान इस बात का संकेत हैं कि यदि विकास की वर्तमान दिशा नहीं बदली गई, तो आने वाले वर्षों में जीवन और आजीविका दोनों पर गंभीर खतरा पैदा होगा। सरकारें जलवायु संकट को केवल मौसम की असामान्य घटना बताकर अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकतीं। जब वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि आने वाले दशकों में अत्यधिक गर्मी मानव जीवन के लिए असहनीय हो सकती है, तब केवल योजनाएं बनाना पर्याप्त नहीं है; उनके लिए ठोस बजट, राजनीतिक इच्छाशक्ति और जनभागीदारी आवश्यक है। आज जरूरत है कि विकास की परिभाषा को बदला जाए, पेड़ों, जलाशयों, जंगलों और प्राकृतिक संसाधनों को बचाए बिना कोई भी विकास टिकाऊ नहीं हो सकता। यदि अभी भी सरकारें, उद्योग और समाज नहीं चेते, तो आने वाली पीढ़ियों को एक ऐसे भारत का सामना करना पड़ेगा, जहां गर्मी केवल असुविधा नहीं बल्कि अस्तित्व का संकट बन जाएगी।

'कृषि रथ' के भ्रमण के दौरान ड्रोन से नैनो उर्वरक के छिड़काव का किया प्रदर्शन

आधुनिक खेती का दिया संदेश

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

राज्य शासन के निर्देशानुसार किसानों को खेती की आधुनिकतम तकनीकों और कृषक हितैषी योजनाओं की जानकारी देने आज बुधवार को विकासखंड पाटन के ग्राम उड़ना, पौड़ी, खमोद और मेढ़ी ग्राम पंचायतों का भ्रमण किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित किसानों को आधुनिक और वैज्ञानिक तकनीकों के माध्यम से उत्पादन बढ़ाने की जानकारी दी गई।

ड्रोन से नैनो उर्वरकों का छिड़काव बना आकर्षण

कृषि रथ के भ्रमण का मुख्य केंद्र ग्राम उड़ना रहा। यहाँ कृषि विभाग के निर्देशन में आधुनिक कृषि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तकनीक विशेषज्ञ निलेश पटेल द्वारा स्थानीय कृषक छुट्टु पटेल के खेत में लगी उड़द की फसल पर ड्रोन के माध्यम से नैनो डीएपी का लाइव छिड़काव करके दिखाया गया। इस अवसर पर मौजूद किसानों को पारंपरिक उर्वरक के स्थान पर नैनो उर्वरक से होने वाले फायदे बताये गए। किसानों को बताया गया कि नैनो उर्वरक की तुलना में आकार में बड़ा होने के कारण पारंपरिक उर्वरक को पौधे धीरे-धीरे और कम मात्रा में सोख पाते हैं। जबकि नैनो उर्वरक बेहद सूक्ष्म आकार का होने के फ्लस्वरूप सीधे पौधों की कोशिकाओं में प्रवेश कर जाते हैं। पारंपरिक उर्वरक की उपयोग दक्षता काफी कम 30 से 50 प्रतिशत होती है। बाकी उर्वरक मिट्टी में बह जाता है या गैस बनकर उड़ जाता है।जबकि, नैनो उर्वरक की उपयोग दक्षता 85 से 90 प्रतिशत तक होती है और पौधों की पत्तियाँ इन्हें तुरंत सोख लेती हैं। खेतों में पारंपरिक उर्वरक ज्यादा मात्रा डालना पड़ता है। इसकी तुलना में नैनो उर्वरक की बहुत ही कम मात्रा की आवश्यकता होती है। मात्र 500 मिलीलीटर की नैनो उर्वरक की एक बोतल पारंपरिक उर्वरक की एक पूरी बोरी के बराबर काम करती है। लागत और परिवहन पारंपरिक उर्वरक की बोरियां वजनी और आकार में बड़ी होने के कारण उनके परिवहन और भंडारण में अधिक खर्च और मेहनत लगती है। जबकि, नैनो उर्वरक की बोतलें छोटी होने के कारण परिवहन की लागत न के बराबर होती है। इन्हें जेब या थैले में रखकर आसानी से कहीं भी ले जाया जा सकता है। किसानों को बताया गया कि पारंपरिक उर्वरकों के इस्तेमाल से फसल की सामान्य वृद्धि होती है तथा लागत अधिक होने के कारण किसानों का शुद्ध मुनाफा कम होता है। जबकि, नैनो उर्वरक से फसल की गुणवत्ता बेहतर होती है, फसलें मजबूत बनती हैं और कम लागत के कारण किसानों की शुद्ध आय में वृद्धि होती है। कृषि रथ के भ्रमण के दौरान अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन डॉ. इंदिरा त्रिपाठी ने किसानों से बदलते दौर के साथ कृषि कि आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करने का आग्रह किया। इस अवसर पर वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी पंकज श्रीवास्तव, कृषि विस्तार अधिकारी श्रीमती सीमा राउत एवं अवधेश हल्दकार भी उपस्थित रहे।

बिना सुनवाई के अवसर दिए वसूली आदेश पर हाईकोर्ट की रोक

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने वेतन निर्धारण के नाम पर जारी किए गए वसूली आदेश पर अंतरिम रोक लगाते हुए याचिकाकर्ता को राहत प्रदान की है।यह आदेश न्यायमूर्ति मनीन्दर एस भट्टी की एकलपीठ ने अजय तिवारी बनाम रजिस्ट्रार एवं अन्य में पारित किया। याचिकाकर्ता के अनुसार वह कई वर्षों से मेडिकल यूनिवर्सिटी में डाटा एंट्री ऑपरेटर के पद पर कार्यरत है तथा उसे समय-समय पर नियमों के अनुसार वेतनवृद्धि एवं नियमितीकरण का लाभ विश्वविद्यालय द्वारा विधिसम्मत तरीके से प्रदान किया गया था। इसके बावजूद विश्वविद्यालय ने लोकल फंड ऑडिट के निर्देशों के पालन में अचानक वसूली आदेश जारी कर दिया। याचिकाकर्ता का कहना है कि उसकी वेतनवृद्धि से लेकर नियमितीकरण तक की समस्त प्रक्रिया लोकल फंड ऑडिट की जानकारी में थी। ऐसे में वर्षों बाद इस प्रकार से वसूली आदेश जारी किया जाना किसी भी प्रकार से विधिसम्मत नहीं कहा जा सकता। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अमित रायजादा ने पक्ष रखते हुए तर्क दिया कि बिना सुनवाई का अवसर दिए पारित किया गया आदेश प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है और विधि की दृष्टि में टिकाऊ नहीं है। याचिका में कहा गया है कि विश्वविद्यालय द्वारा 27 फरवरी 2026 के आदेश के जरिए याचिकाकर्ता के वेतनमान में कमी कर दी गई, वह भी बिना सुनवाई का अवसर दिए, जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत ह्लऑडी अल्टरम पार्टमह्व का उल्लंघन है। साथ ही 13 मार्च 2026 के पत्र के माध्यम से सीपीसीटी (CPCT) परीक्षा प्रमाणपत्र 25 मार्च 2026 तक प्रस्तुत करने के निर्देश देते हुए वसूली की कार्यवाही शुरू करने की बात कही गई थी। दोनों पक्षों के तर्क सुनने के उपरांत न्यायमूर्ति एमएस भट्टी ने वसूली आदेश पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश पारित किया।

हाईकोर्ट ने हत्या के आरोप में 9 साल से जेल में बंदी को किया बरी

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की युगलपीठ ने 12 वर्षीय नितिन की हत्या के बहुचर्चित मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे संजय गुप्ता को बरी कर दिया। न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल एवं न्यायमूर्ति अवनिंद्र कुमार सिंह की खंडपीठ ने सत्र न्यायालय रायसेन के 03 अप्रेल 2017 के फैसले को रद्द करते हुए तल्ख टिप्पणी की ट्रायल कोर्ट ने मामले का ट्रैक खो दिया और हुक या क्रूक से दोषसिद्धि का निर्णय पारित किया। संजय गुप्ता निवासी मंडीदीप, जिला रायसेन को धारा 364, 302, 201 भादवि में दोषी ठहराकर आजीवन कारावास व कुल 17 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई थी। अभियोजन का आरोप था कि 07 अप्रेल 2015 को संजय गुप्ता ने 12 वर्षीय नितिन को घर बुलाकर हत्या की और शव बोरे में भरकर कूड़े में फेंक दिया। अपीलार्थी की ओर से अधिवक्ता आनंद कुमार शुक्ला, आशीष त्रिवेदी, प्रशांत अवस्थी एवं असीम त्रिवेदी ने पैरवी की।

अवैध जल कनेक्शन पर नगर निगम की सख्त कार्रवाई

शुद्ध पेयजल की बबार्दी करने वालों पर मदन महल थाने में दर्ज कराई एफ.आई.आर.

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

नगर निगम द्वारा शहर में अवैध नल कनेक्शनों के खिलाफ और शुद्ध पेयजल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक बड़ी व सख्त कार्रवाई की गई है। नगर निगम के जल विभाग की टीम ने औचक निरीक्षण के दौरान मदन महल क्षेत्र में मुख्य पाइप लाइन से अवैध कनेक्शन लेकर शुद्ध पानी की बबार्दी और उसे दूषित करने का एक गंभीर मामला पकड़ा है, जिस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए मदन महल थाने में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

निरीक्षण के दौरान मौके पर पकड़ी गई लापरवाही

जल विभाग के अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जल प्रदाय व्यवस्था को सुचारू बनाने और वार्डों की जल संबंधी समस्याओं के निराकरण हेतु नगर निगम की टीम लगातार मैदानी निरीक्षण कर रही है। इसी कड़ी में निरीक्षण के दौरान गेट नंबर-4 से स्नेह नगर जाने वाले मार्ग पर स्थित साईं बाबा मंदिर के कॉर्नर पर एक नवनिर्मित व्यावसायिक बिल्डिंग में मुख्य जल वितरण पाइप लाइन से सीधे अवैध नल कनेक्शन लिया हुआ पाया गया। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, इस भवन के मालिकों क्रमशः राहुल वाधवानी, मुकेश पाण्डेय और अनुपम गुप्ता द्वारा अवैध कनेक्शन के जरिए शुद्ध पेयजल का उपयोग भवन निर्माण जैसे व्यावसायिक कार्यों में किया जा रहा था।

पेयजल की शुद्धता से खिलवाड़ और शासकीय कार्य में बाधा पर कार्यवाही

निरीक्षण टीम ने पाया कि अवैध रूप से लिए गए नलों को खुला छोड़ दिया गया था, जिससे कीमती पानी बहकर समीप की नाली के दूषित जल के संपर्क में आ रहा था। इससे मुख्य लाइन के शुद्ध पेयजल की गुणवत्ता प्रभावित होने और नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ होने का गंभीर खतरा पैदा हो गया था। इसे एक गंभीर कानूनी अपराध और शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने का कृत्य मानते हुए नगर निगम के सहायक यंत्री जल द्वारा मदन महल थाना प्रभारी को पत्र सौंपकर आरोपियों के खिलाफ तत्काल एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है।

आयुर्वेद कॉलेज में स्वर्ण प्राशन कार्यक्रम का आयोजन गुरूवार को

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

गौरीघाट स्थित शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय जबलपुर में कल गुरूवार 21 मई को सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक स्वर्ण प्राशन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रत्येक माह पुष्य नक्षत्र के दिन आयोजित इस कार्यक्रम में 16 वर्ष की आयु तक के बच्चों को स्वर्ण बिंदु पिलाया जाएगा। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ एस एल अहिरवाल के मुताबिक स्वर्ण बिंदु का निर्माण स्वर्ण भस्म, गौ घृत एवं शहद के मिश्रण से किया जाता है, जिसकी प्रत्येक बूंद में 1.6 ग्राम स्वर्ण भस्म होता है।

लड़कियों ने कुछ कर दिखाने के लिए संभाली राइफल

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड की केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के तत्वावधान में मशाल परिसर में आयोजित ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर के अंतर्गत शूटिंग (निशानेबाजी) प्रशिक्षण ने बच्चों, विशेषकर लड़कियों में खासा उत्साह पैदा किया है। इस शिविर में 10 से 16 वर्ष आयु वर्ग के 15 प्रतिभागी शामिल हैं, जिनमें 6 लड़कियां और 9 लड़के ओपन साइट एयर राइफल से निशानेबाजी का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के महासचिव फिरोज कुमार मेश्राम ने जानकारी दी कि जबलपुर में यह एक विशेष पहल है, जिसके अंतर्गत ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में शूटिंग का गहन प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। यह प्रशिक्षण गन फॉर ग्लोरी की स्थानीय शाखा के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

नगर की महिला शूटर बनीं प्रेरणा

जबलपुर की चार महिला शूटरों–श्रेया अग्रवाल, महिमा अग्रवाल, रूबीना फ्रांसिस और गौतमी भनोत–द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 37 पदक जीतने के बाद शहर की लड़कियों में शूटिंग के प्रति रुचि तेजी से बढ़ी है। इसी प्रेरणा के चलते इस वर्ष शिविर में लड़कियों की भागीदारी अधिक देखी जा रही है। शिविर समन्वयक रितिक तिवारी ने बताया कि मात्र 15 दिनों के प्रशिक्षण में ही कुछ प्रतिभागियों में भविष्य की संभावनाएं दिखाई देने लगी हैं। आने वाले समय में इन्हें विभिन्न प्रतियोगिताओं में अवसर दिए जाने की संभावना है।

10 मीटर शूटिंग का प्रशिक्षण

शिविर में ओपन साइट एयर राइफल के माध्यम से 10 मीटर शूटिंग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण स्पर्धा मानी जाती है। प्रतिदिन प्रशिक्षक निशांत बावरिया और विवेक सराठे प्रतिभागियों को तकनीकी और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। दोनों प्रशिक्षकों का कहना है कि बच्चों का उत्साह और मेहनत सराहनीय है तथा कम समय में ही सभी प्रतिभागियों ने बेहतर प्रदर्शन करना शुरू कर दिया है।

शासकीय योजनाओं का लाभ हर नागरिक तक पहुँचाना शासन की है प्राथमिकता - निगमायुक्त

व्यवस्थाएं दुरुस्त करने अधिकारियों को निगमायुक्त के निर्देश

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण और शासकीय योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुँचाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा एक बेहद सराहनीय पहल शुरू की गई है। संभाग क्रमांक 11 के अंतर्गत आने वाले ग्राम पिपरिया में निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने स्वयं चैपाल लगाकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में विशेष शिविर लगाकर सभी पात्र नागरिकों को बेहतर ढंग से शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। निगमायुक्त श्री अहिरवार ने मौके पर ही संभागीय अधिकारी को निर्देशित किया कि आगामी शिविरों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि शिविरों का आयोजन इस तरह से हो कि नागरिकों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े और उनके कार्य पूरी पारदर्शिता व सुगमता के साथ पूरे हों। चैपाल के उपरांत निगमायुक्त ने क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती रजनी सुरेंद्र साहू के साथ क्षेत्र का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने श्त्रिफला गार्डनश का अवलोकन कर वहाँ की व्यवस्थाओं को देखा। इसके साथ ही, पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए उन्होंने प्रस्तावित पौधा रोपण स्थल का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों को क्षेत्र को हरा-भरा बनाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस पूरे निरीक्षण और चैपाल कार्यक्रम के दौरान निगमायुक्त के साथ नगर निगम के अधिकारियों और तकनीकी विशेषज्ञों की टीम भी मुस्तैद रही, जिन्होंने मौके पर ही जनहित से जुड़े कई विषयों पर चर्चा कर कार्ययोजना तैयार की। इस सकारात्मक पहल से पिपरिया गाँव के नागरिकों में हर्ष का माहौल है। स्थानीय निवासियों ने कमिश्नर और क्षेत्रीय पार्षद के इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि प्रशासन का इस तरह जनता के बीच आना विकास कार्यों को नई गति देगा।

कवि सुमित्रानंदन पंत" जी की जयंती पर रेलवे में साहित्यिक समारोह का आयोजन

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

प्रकृति के सुकुमार कवि, हिन्दी साहित्य के गौरव सुमित्रानंदन पंत जी की जयंती के अवसर पर पश्चिम मध्य रेल में साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री दिलीप कुमार सिंह, महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल के संरक्षण एवं कुशल नेतृत्व में तथा श्री एम.एस. हाशमी, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) के मार्गदर्शन एवं श्री विवेक कुमार गुप्ता, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय कवि श्री उमेश कुमार ओज ने पंत जी के साहित्यिक जीवन एवं प्रकृति प्रेम पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में 10 कर्मचारियों द्वारा पंत जी की कविताओं का भावपूर्ण वाचन किया गया, जिससे हिन्दी साहित्य एवं प्रकृति प्रेम की प्रेरणा प्राप्त हुई। सुमित्रानंदन पंत जी की जयंती के अवसर पर मुख्य अतिथि एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि राजभाषा हिंदी के संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार के संदर्भ में पंत जी का साहित्य हम सभी को निरंतर प्रेरित करता है।

उन्होंने कहा कि पश्चिम मध्य रेलवे में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु नियमित रूप से विभिन्न राजभाषा गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार, 20 मई 2026 को कवि सुमित्रानंदन पंत जी की जयंती मनाई गई। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम मध्य रेल के अधिकारी एवं कर्मचारी राजभाषा हिंदी के प्रति गहरा लगाव रखते हैं तथा हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग हेतु सदैव प्रतिबद्ध हैं। इस कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी ने किया।

कब लगती है लू?

गर्मी में सबसे बड़ी समस्या होती है लू लगना। अंग्रेजी भाषा में इसे हीट स्ट्रोक (Heat Stroke) और सनस्ट्रोक (Sun Stroke) भी कहते हैं। गर्मी में उच्च तापमान में ज्यादा देर तक रहने से या गर्म हवा के झोंकों से संपर्क में आने पर लू (Loo) लगने का डर अधिक होता है। गर्मी में शरीर के द्रव (Body Fluids) सूखने लगते हैं। शरीर से पानी और नमक की कमी होने पर लू लगने का खतरा ज्यादा रहता है। लू लगने पर शरीर में गर्मी, खुश्की और थकावट महसूस होती है। इसमें गर्मी के कारण होने वाली और कई मामूली बीमारियां भी शामिल होती हैं जैसे कि हीट एडेमा (शरीर का सूजना), हीट रैश, हीट क्रैम्प्स (शरीर में अकड़न) और हीट साइनकॉप (बेहोशी) आदि। चिकित्सक शरीर के तापमान को 105 डिग्री फारेनहाइट से अधिक रहने पर और शरीर के सेंट्रल नर्वस सिस्टम में जटिलताओं के पेश आने पर लू लगना (Heat Stroke) कहते हैं। गर्मी में अधिक शारीरिक गतिविधि करने पर, मोटे कपड़े पहनने पर, ज्यादा शराब पीने पर और कम पानी पीने पर लू लगने का खतरा सबसे ज्यादा मंडराता है।

अकेलेपन से हो सकती हैं दिल की बीमारियां

हम में से कई लोग कई बार अकेलापन महसूस करते हैं। लेकिन लंबे समय तक अकेलापन और सामाजिक रूप से अलग-थलग रहने से दिल की बीमारियों और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं के एक दल ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि अकेलापन और सामाजिक रूप से अलग-थलग रहने से दिल की बीमारी का खतरा 29 फीसदी और स्ट्रोक का खतरा 32 फीसदी बढ़ जाता है।

अच्छी सेहत के लिए ऐसे खाएं फल

आपने अक्सर लोगों को कहते सुना होगा कि फल खाने से सेहत दुरस्त रहती है और चेहरे पर रंगत बनी रहती है। लेकिन क्या आपको पता है कि फलों को एक खास तरीके से खाना चाहिए। आइए जानें क्या है वह खास तरीका।

जूस नहीं खाएं पूरा फल

अक्सर देखा जाता है कि लोग फलों को खाने की बजाए उनका जूस पीकर अपनी सेहत सुधारना चाहते हैं। अगर आप भी ऐसा ही करते हैं तो यकीन मानिए कि ऐसा करने से आप अपना बड़ा नुकसान कर रहे हैं। फलों को दांत से खाकर आपके जबड़े की एक्सरसाइज होती है। फलों के गूदे में मौजूद फाइबर से आपका पाचन तंत्र ज्यादा बेहतर तरीके से काम करता है। उन फलों को चुनें जिनमें पोटेशियम की मात्रा ज्यादा हो। मसलन केले, बेर, आड़ू, खुबानी, खरबूजे, तरबूज और संतरे में पोटेशियम की मात्रा ज्यादा होती है।

सजाएं फलों की टोकरी

आपको यह सुनने में भले ही अजीब लग सकता है लेकिन आपको अपनी डाईनिंग टेबल या फ्रिज में फलों की एक टोकरी रखनी चाहिए। इससे आप दिन में कई बार फलों का सेवन कर पाएंगे। क्योंकि फलों को पैक करके रखने से आप फल खाने के लिए विशेष मौके का इंतजार करेंगे। लेकिन बार-बार नजरों के सामने आते हुए टोकरी में रखे हुए फल आप आसानी से खा पाएंगे।

खाने में कैसे शामिल करें फल

सुबह के नाश्ते में आप केले और आडु शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा पेनकेक्स में ब्लूबैरी को मिला सकते हैं। इसके अलावा सलाद में अन्नास मिला सकते हैं। सलाद में मेंडेरिन संतरे और अंगूरों को भी शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा नाश्ते में आप ड्राई फ्रूट्स भी ट्राई कर सकते हैं।

नींबू, सेहत व सौंदर्य के लिए

चाहे कोई भी मौसम हो, नींबू एक ऐसा फल है जो हर घर में हर समय मिलता है। यह केवल खाने का स्वाद ही नहीं बढाता बल्कि इसमें कई औषध गुण भी मौजूद हैं तो कई सुंदर साधन भी है। विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में होता है और पोटेशियम घुलनशील, जिसके चलते ज्यादा मात्रा में इसका सेवन भी नुकसानदायक नहीं होता। विटामिन सी से भरपूर नींबू शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढाने का अहसास होने लगता है। नींबू के कुछ ब्यूटी टिप्स और कुछ औषधी गुण आपकी जानकारी के लिए प्रस्तुत है।

हैल्थ टिप्स

- बदहजमी होने पर नींबू काटकर उसकी फांक या छोटे टुकड़े में काला नमक लगाकर चूसने से आराम आता है।
- अक्सर चक्कर आ रहे हों या उल्टी आ रही हों तो नींबू के टुकड़े पर काला नमक, काली मिर्च लगाकर खाने से चक्कर आने बंद हो जाते हैं और उल्टी भी बंद हो जाती है।
- जिनको भूख कम लगती है और पेट दर्द की शिकायत रहती है उनको नींबू की फांक में काला या सेंधा नमक लगाकर उसको तवे पर गर्म करके चूसने से ना केवल दर्द में आराम मिलता है बल्कि भूख भी खुलकर लगती है।
- बरतन साफ करने से हाथों की दरारें मैली हो जाती हैं। नींबू के छिलकों को रगड-रगड कर साफ करने से आपके हाथ ही नहीं नाखून तक साफ हो जाएंगे। इन छिलको से कुहनियों का कालापन भी दूर हो जाता है।
- चेहरा जल जाने पर यदि चेहरे पर काले दाग

पड़ गए हों तो एक टमाटर के गूदे में नींबू के रस की कुछ बूंदें मिलाकर सुबह-शाम लगाएं और थोड़ी देर बाद धो लें।
- नारियल के तेल में नींबू का रस मिलाकर रात में सिर में हल्के हाथ से लगाएं, हफ्ते में कम से कम 2-3 दिन तक मालिश करें। बालों की खुश्की दूर हो जाती है।
- यदि मालिश ना भी करें तो सिर धोने के पानी में दो नींबू निचोड़कर एक हफ्ता लगातार प्रयोग करने से बाल मुलायम होते हैं, उनका झड़ना कम होता है और खुश्की या रूसी भी कम होती है।
- सुबह स्नान करने से पहले नींबू के छिलकों को चेहरे पर धीरे-धीरे मलकर 2-3 मिनट बाद चेहरे को पानी से धो लें। इसे 10 -15 दिन लगाता करने से चेहरे का रंग साफ हो जाता है। यह बाजार में मिलने वाले किसी ब्लीचिंग क्रीम या ब्यूटी पालर में कराए जाने वाले ब्लीच का काम करेगा।
- नींबू का रस और गुलाब जल मिलाकर चेहरे पर लगाएं, कुछ दिनों के लगातार प्रयोग से चेहरा बेदाग और स्किन कोमल व स्वच्छ हो जाती है।
- नींब और तुलसी की पत्तियों का रस समान मात्रा में मिलाकर किसी कांच के बर्तन में रख लें और दिन में कम से कम दो बार हल्के हाथ से चेहरे पर लगाएं। कुछ दिन के लगाकर इस्तेमाल से चेहरे पर झाइयां या किसी भी प्रकार के निशान मिट जाते हैं।
- चेहरा जल जाने पर यदि चेहरे पर काले दाग पड़ गए हों तो एक टमाटर के गूदे में नींबू के रस की कुछ बूंदें मिलाकर सुबह-शाम लगाएं और थोड़ी देर बाद धो लें।

कटहल खाने से ठीक हो जाती है ये बीमारियां

फल और सब्जियों के हमारे शरीर को बहुत सारे फायदे होते हैं। इनसे हमें बहुत सारे पोषक तत्व मिलते हैं। कटहल के भी बहुत सारे फायदे होते हैं। इसकी मसालेदार सब्जी किसी के मुंह में भी पानी भर देती है। कटहल का इस्तेमाल केवल सब्जी बनाने में ही नहीं बल्कि अचार, पकौड़े और कोफ्ता बनाने में भी किया जाता है।

कटहल में ढ़ेरों ऐसे तत्व होते हैं जो शरीर की कई आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, थायमीन, पोटैशियम, कैल्शियम, आयरन और जिंक प्रचुर मात्रा में होता है। इन सबके अलावा इसमें भरपूर फाइबर होता है। अच्छी बात ये है कि इसमें कैलोरी नहीं होती है। ऐसे में ये हार्ट से जुड़ी कई बीमारियों में भी फायदेमंद है।

- कटहल में पाया जाने वाला पोटैशियम हार्ट से जुड़ी बीमारियों से सुरक्षित रखता है। उच्च रक्तचाप के मरीजों के लिए ये बहुत ही फायदेमंद है।
- कटहल में आयरन की भरपूर मात्रा होती है जिसकी वजह से एनीमिया से बचाव होता है। इसके साथ ब्लड सर्कुलेशन भी नियंत्रित रहता है।
- अस्थमा के इलाज में भी ये एक कारगर औषधि की तरह काम करता है। कच्चे कटहल को पानी में उबालकर छान लें। जब ये पानी ठंडा हो जाए तो इसे पी लें। नियमित रूप से ऐसा करने से अस्थमा की समस्या में फायदा होता है।
- इसमें पाए जाने वाले कई खनिज हार्मोन्स को भी नियंत्रित करते हैं।
- कटहल में मैग्नीशियम भी भरपूर होता है, जिसकी वजह से हड्डियां भी स्वस्थ और मजबूत रहती हैं।
- कटहल में पाए जाने वाले विटामिन सी की वजह से रोग प्रतिरोधक क्षमता अच्छी बनी रहती है।
- कटहल का सबसे बड़ा फायदा ये है कि इसमें भरपूर रेशे होते हैं जो पाचन क्रिया को बेहतर बनाए रखते हैं।

जानिए कितनी लाभकारी है फिटकरी?

कई सालो से हमारे घरों में फिटकरी का प्रयोग होता आ रहा है। गलत ना होगा कि फिटकरी कई सारे औषधीय गुंणों की खदान हैं। यह एंटीबैक्टीरियल होती है, जिसे हर घर में प्रयोग किया जाता है। फिटकरी दो प्रकार की होती है लाल व सफेद। अमूमन घरों में हमेशा सफेद फिटकरी का प्रयोग किया जाता है।

- फिटकरी को चोट या घाव लगने पर प्रयोग करें। फिटकरी का पानी लगाने से घाव से खून बहना बंद हो जाएगा। आपके इसका चूर्ण बना कर भी प्रयोग कर सकते हैं।
- एंटीबैक्टीरियल और एस्ट्रिजेंट तत्व होने की वजह से यह दंत रोग को दूर कर सकती है। यह माउथवॉश की तरह भी प्रयोग की जा

सकती है।
- फिटकरी को नहाने के पानी में घोल कर प्रयोग करने से खुजली और शरीर से बदबू आना बंद होती है।
- चेहरे से झुर्रियों को मिटाने के लिए चेहरे को धो लें। फिर फिटकरी को ठंडे पानी से गीला कर के चेहरे के आस पास हल्के रगड़ें। अब इसे सूख जाने दें और फिर इसे हाथों से छुड़ा कर साफ कर लें। कुछ महीनों के प्रयोग के बाद आपका चेहरा चमकदार और यंग बन जाएगा।
- दमा और खांसी है तो, आधा ग्राम फिटकरी को पीस कर शहद के साथ मिक्स कर के चाट लें, आपको तुरंत लाभ होगा।
- यूरीन इंफेक्शन हो जाने पर भी फिटकरी का इस्तेमाल करना बहुत फायदेमंद होता है। प्रतिदिन फिटकरी के पानी से प्राइवेट पार्ट की सफाई करने से इंफेक्शन का खतरा दूर हो जाता है। इसके अलावा पानी में घुलनशील अशुद्धि को दूर करने के लिए भी फिटकरी का इस्तेमाल किया जाता है।

एप के जरिए रख पाएंगे आदतों पर नजर

मधुमेह से लड़ने में मदद करेगा मोबाइल एप

शोधकर्ताओं ने ऐसी मोबाइल एप तैयार की है जो मधुमेह से लड़ने में मदद करेगी। इस एप के जरिए लोग अपने खाने-पीने की आदतों और कसरत आदि पर नजर रख पाएंगे। इस एप में मधुमेह से बचने के तरीकों के बारे में जानकारी दी जाएगी। न्यूयार्क पोस्ट की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। शोधकर्ताओं का कहना है कि आधुनिक जीवनशैली के कारण मौजूदा समय में मधुमेह का खतरा बढ़ता जा रहा है, ऐसे में यह एप इस बीमारी से बचाव में काफी मददगार साबित हो सकती है।

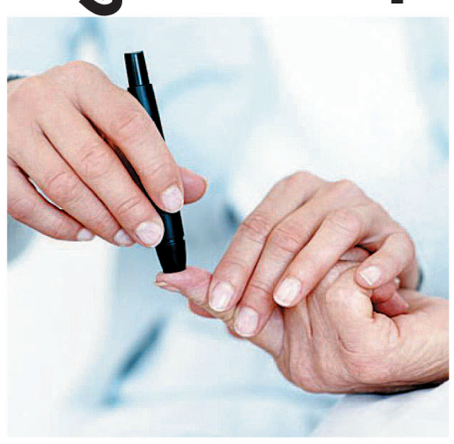

हाथों पर भी पड़ता है बीमारियों का असर

कहते हैं कि हथेली देखकर भविष्य जाना जा सकता है, पर हालिया शोध में पाया गया है कि हथेली से किसी की सेहत का हाल भी जाना जा सकता है, क्योंकि कई तरह की बीमारियों का असर हाथ पर भी पड़ता है। हथेली से 8 रोगों के लक्षणों के बारे में जाना जा सकता है। अगर हथेलियां गहरे लाल रंग की हो जाए तो उसे चिकित्सकीय भाषा में पाल्मर इर्थीमिया कहा जाता है। यह लिवर की बीमारी का एक संकेत है। इससे फैटी लिवर या जिगर की सिसोसिस जैसी बीमारियां हो सकती हैं। गर्भवती महिलाओं को इससे डरने की जरूरत नहीं है क्योंकि यह रक्त प्रवाह की वजह से होता है। मधुमेह होने पर नसें और रक्त नलियां कमजोर हो जाती हैं। इससे आंतरिक रक्तस्राव और हैमरेज हो जाता है, जिससे हाथों पर लाल रंग के चकत्ते दिखने लगते हैं।

रक्त संक्रमण या दिल की बीमारी के संकेत

भूरी या नीले रंग की उंगलियां खराब रक्तप्रवाह की निशानी है। इस बीमारी के कारण उंगली सुन्न भी हो सकती है। अगर उंगलियां मोटी होकर गोल रूप ले लें और बाहर की ओर मुड़ जाएं तो इस हालत को फेफड़ों या दिल की बीमारियों का संकेत समझा जा सकता है। नाखूनों के नीचे की त्वचा लाल हो जाए तो इसे स्पिलिंटर हैमरेज कहते हैं।

रेसिपी

दही के चावल

सामग्री

चावल 1 कप, ताजा दही 2 कप मथ लीजिए, घी या तेल 1-2 टेबल स्पून, हरा धनिया 2-3 टेबल स्पून, हींग 1 चुटकी, जीरा आधा छोटी चम्मच, राई या काली सरसों, उरद की दाल आधा छोटी चम्मच, करी पत्ता 10-12, हरी मिर्च 2 बारीक कटी हुई, नमक स्वादानुसार

विधि

चावल साफ करके पहले से आधा घंटा पानी में भिगो दीजिए, कुकर में भीगे हुए चावल डालिए और 2.5 कप पानी डाल दीजिए, कुकर को बन्द कर दीजिए और 1 सीटी आने तक चावल को पकने दीजिए, गैस बन्द कर दीजिए, कुकर का प्रेशर खत्म होने के बाद कुकर खोलिए, चावल को किसी बड़े प्याले में निकाल लीजिए, पैन में घी डालकर गरम कीजिए, घी में राई, जीरा और उरद की दाल डाल दीजिए और लगातार चलाते हुए, उरद की दाल को ब्राउन होने तक सिकने दीजिए, करी पत्ता, हरी मिर्च और हींग डालिए, चावल में डालने के लिए तड़का तैयार है, चावल हल्के ठंडे हो जाने पर चावल में दही, नमक और हरा धनिया डालकर मिक्स कर दीजिए, तैयार तड़का डालिए और चावल में अच्छी तरह मिक्स होने तक मिक्स कर दीजिए।

आम की आइसक्रीम

सामग्री

आम 2
दूध आधा लीटर
क्रीम 200 ग्राम
चीनी 100 ग्राम
कार्न फ्लोर 2 टेबल स्पून।

विधि

दूध को किसी भारी तले के बर्तन में डाल कर गरम करने रखिए, चौथाई कप दूध ठंडा ही प्याले में बचा लीजिए, दूध में उबाल आता है तब तक आम काट कर तैयार कर लीजिए, आम धोइए, छीलिए और सारा पल्प निकाल लीजिए, दो फांके अलग रख दीजिए, थोड़े छोटे छोटे टुकड़े काट कर अलग रख लीजिए, बची आम की फांके और चीनी को पीस कर प्यूरी बना लीजिए, ठंडे दूध में कार्न फ्लोर डालकर चिकना घोल बना लीजिए, दूध में उबाल आने के बाद, कार्न फ्लोर घुला दूध उबलते हुए दूध में मिलाइए और दूध को लगातार चलाते हुए 5-6 मिनट तक पकाइए, आइसक्रीम के लिए दूध तैयार है, गैस बन्द कर दीजिए, दूध को एकदम ठंडा कीजिए, आम की प्यूरी और क्रीम को मिला कर फेट लीजिए, कार्न फ्लोर मिक्स ठंडा दूध भी प्यूरी में डालिए और एक बार अच्छी तरह फेट लीजिए, आम के छोटे टुकड़े भी मिश्रण में मिक्स कर दीजिए, मिश्रण को किसी एयरटाइट कन्टेनर में डालिए, कन्टेनर का ढक्कन लगाकर 6-7 घंटे के लिए फ्रीजर में रख दीजिए, ध्यान रखिए कि कन्टेनर एयरटाइट ही हो, आम की आइसक्रीम तैयार है, जब भी खानी हो, आइसक्रीम कन्टेनर को फ्रीजर से 5 मिनट पहले निकाल कर बाहर रख लीजिए।

दुनिया के खूबसूरत स्विमिंग पूल

पूल में नहाने के शौकीन हैं और अभी तक दुनिया के सबसे खूबसूरत स्विमिंग पूल के बारे में नहीं जानते। तो जानिए कौन से हैं वो पूल।

मरीना बे सिंगापुर

सैंड्स होटल, सिंगापुर की इमारत 57 मंजिला है। इतनी ऊंची इमारत में 500 फीट बड़ा ये स्विमिंग पूल अपने आप में एक आश्चर्य है। यहां से सिंगापुर का विहंगम दृश्य देखने को मिलता है।

कतिकीज होटल

सैंटोरिनी, ग्रीस में मौजूद ठंडे पानी के इस पूल का आनंद वहीं जानता है जिसने इसे महसूस किया है। यहां सन बाथ और खुली हवा में स्पा भी लिया जा सकता है। इस पूल से दिखने वाला दृश्य जादुई है।

होटल करुसो

रैवेल्लो, इटली में अल्फामी तट की चोटी पर बने इस होटल में मौजूद स्विमिंग पूल गजब का सुंदर है। यह गर्म पानी का पूल है, जहां से इटली का नजारा देखते ही बनता है। इसमें तैराकी का एहसास ऐसा है कि आप आसामान और समुद्र के बीच में मौजूद हों।

कैम्ब्रियन स्विटजरलैंड

ऐडलबोडेन, स्विटजरलैंड में बर्फीली पहाड़ियों के बीच मौजूद इस पूल में गर्म पानी है। तैराकी करते वक्त यहां से दिखने वाले नजारे की कोई तुलना नहीं की जा सकती। सर्दियां हो या गर्मियां यहां मौजूद पहाड़ियों पर हमेशा बर्फ की चादर लिपटी रहती है। एक बार इसका आनंद लेने के बाद आपको बाहर आने का मन नहीं करेगा।

यूबुड हैंगिंग गार्डन

बाली के बरसाती जंगल से घिरी चोटी पर बने इस पूल की कई खासियतें हैं। एक ये दो मंजिला है, दूसरा इसकी दीवारें ज्वालामुखी से निकली राख से बनी हैं। खूबसूरत नजारे और शांत माहौल के मामले में इस शानदार स्विमिंग पूल का जवाब नहीं।

रीठी राह, मालदीव

मालदीव में मौजूद ये खूबसूरत पूल वहां मौजूद 100 फीट गहरी झील में बना है। यहां के शांत पानी और माहौल में लोग आराम कर सकते हैं। यह अपने आप में करिश्मा है।

जेड माउंटेन

सेंट लूसिया में मौजूद हर 29 विलाओं में स्विमिंग पूल मौजूद हैं। यूनेस्को ने इसे हैरिटेज घोषित किया हुआ है। इन सभी स्विमिंग पूल को खास तरह की टाइल्स से बनाया गया है जो सभी को एक दूसरे से अलग बनती है।

मुझसे कहा गया था कि पुलिस का रोल करोगे तो कॉमेडी लगेगा

अभिनेता सैफ अली खान 'कर्तव्य' फिल्म को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। गुरुवार को ट्रेलर लॉन्च के मौके पर सैफ ने अपने करियर के शुरुआती दिनों का किस्सा शेयर किया। उन्होंने बताया कि कैसे एक समय पर फिल्म निर्देशक ने उन्हें पुलिस का किरदार न निभाने की सलाह दी थी, क्योंकि उनके चेहरे पर वह 'गंभीरता' नहीं थी। सैफ ने कहा, 'मुझे आज भी याद है कि जब मैंने पहली बार फिल्म 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' के लिए पुलिस वर्दी पहनी थी और हम फिल्म का क्लाइमेक्स शूट कर रहे थे। उस समय फिल्म में अक्षय कुमार पुलिस अधिकारी की भूमिका में थे और मैं एक साधारण सा किरदार निभा रहा था। मैं उस समय फिल्म जगत की बारीकियां सीखने की कोशिश कर रहा था।' सैफ ने आगे बताया कि उस फिल्म के निर्देशक ने उनसे कहा था, 'अपनी जिंदगी में कभी भी पुलिस वाले का रोल गंभीरता से मत करना, क्योंकि तुम यह नहीं कर सकते। तुम्हारे अंदर वह ताकत या दम नहीं है कि तुम पुलिस वाले लग सको। अगर तुम यह रोल करोगे तो यह एक कॉमेडी जैसा लगेगा, इसलिए इसे कभी ट्राई मत करना। सैफ ने कहा कि उस समय मिली टिप्पणी मेरे लिए एक सबक की तरह थी। अभिनेता ने आगे कहा, 'यह कमाल की बात है कि अगर आप लगातार अभ्यास करते रहें, सीखते रहें और आगे बढ़ते रहें, तो समय के साथ आप बेहतर होते जाते हैं। बिना दबाव के काम बोरिंग लगने लगते हैं। अगर बिल्कुल प्रेशर न हो तो काम में मजा नहीं आता। थोड़ा-बहुत तो प्रेशर होने से ही बेस्ट निकलता है। हालांकि, हर दिन एक जैसा नहीं होता है। फिल्मों में अक्सर ऐसा होता है कि एक दिन बहुत मुश्किल होता है, तो अगला दिन थोड़ा संतुलित और आसान। इसी उतार-चढ़ाव में काम करने का अपना ही मजा होता है।' ब अभिनेता से पूछा गया कि उनके लिए रोमांटिक-कॉमेडी करना आसान है या फिर कर्तव्य जैसे गंभीर किरदार, तो सैफ ने इस सवाल का जवाब बड़ी बेबाकी से दिया। उन्होंने स्वीकार करते हुए कहा कि शहरों में पले-बढ़े होने के कारण उनके लिए 'रोम-कॉम' फिल्में करना कहीं अधिक सहज है।

तृषा बनेंगी कमल हसन और रजनीकांत की अगली फिल्म का हिस्सा?

इंडस्ट्री में चर्चा है कि अभिनेत्री तृषा कृष्णन, नेल्सन दिलीपकुमार निर्देशित अगली फिल्म का हिस्सा बन सकती हैं। इस फिल्म में रजनीकांत और कमल हासन लंबे वक्त बाद साथ काम करते नजर आएंगे। फिल्म के विषय पर कथित तौर से एक्ट्रेस से बातचीत चल रही है।

नेल्सन दिलीपकुमार की फिल्म का फैंस को बड़ा इंतजार है। इसका सबसे बड़ा कारण यह भी है कि यह मल्टीस्टारर है। फिल्म में रजनीकांत और कमल हासन अहम भूमिका में होंगे। अब सुनने में आया है कि तृषा भी इससे जुड़ सकती हैं। हालांकि, अब तक इस मामले पर निर्माताओं की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मगर खबरों की मानें तो अभिनेत्री से प्रोजेक्ट पर बात चल रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक रजनीकांत और कमल हसन की इस फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू हो सकती है। नेल्सन फिलहाल पटकथा, लोकेशन, कलाकारों और तकनीकी टीम पर काम कर रहे हैं। इसके साथ ही इस फिल्म को अब तक का सबसे बड़ा तमिल प्रोजेक्ट बताया जा रहा है। फिलहाल, मेकर्स ने फिल्म की पूरी स्टार कास्ट की जानकारी शेयर नहीं की है।

मां नहीं देती करियर में दखल, फैसले हमेशा अपने दिल से लेती हूं

बॉलीवुड एक्ट्रेस पलक तिवारी लगातार अपने करियर को लेकर चर्चा में रहती हैं। इन दिनों वह अपनी वेब सीरीज 'लुक्खे' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच बातचीत में उन्होंने अपनी मां और टीवी की मशहूर अभिनेत्री श्वेता तिवारी के साथ बॉन्ड को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि मां ने उनके करियर में कभी भी दखल नहीं दिया। उन्होंने जो भी अब तक फैसले लिए हैं, खुद और दिल से लिए हैं। आईएएनएस से बात करते हुए पलक तिवारी ने कहा, 'मेरी और मेरी मां की जिंदगी पूरी तरह अलग दौर और अनुभवों से गुजरी है, जिसके चलते हम दोनों के सोचने का तरीका अलग है। कहानियों को समझने का नजरिया भी अलग है। एक कलाकार के तौर पर हर व्यक्ति का अपना एक अलग सफर होता है, और उसी सफर के अनुभव उसके फैसलों को प्रभावित करते हैं। मेरी मां ने जिस समय और माहौल में काम किया, वह आज के समय से बहुत अलग था, इसलिए हम दोनों के दृष्टिकोण भी अलग हैं।' पलक ने कहा, ''मेरी मां कभी भी मेरे करियर में दखल नहीं देतीं। वह सिर्फ मार्गदर्शन करती हैं, लेकिन किसी भी तरह का दबाव नहीं डालतीं। उन्होंने हमेशा से मुझे स्वतंत्र रूप से सोचने और फैसले लेने के लिए प्रेरित किया है। उनका मानना है कि कलाकार को अपने फैसले खुद लेने चाहिए, क्योंकि वही उसके करियर को सही दिशा देते हैं।'' इंटरव्यू के दौरान पलक ने बताया, ''मां हमेशा मुझसे यही पूछती हैं कि जो प्रोजेक्ट मैं चुन रही हूं, क्या वह सच में मेरे दिल को पसंद है या नहीं। वह मुझे किसी भी प्रोजेक्ट के लिए मजबूर नहीं करतीं, बल्कि

यह समझने की कोशिश करती हैं कि क्या वह काम पलक के लिए सही है या नहीं।'' पलक ने आगे कहा, ''मां ने हमेशा मुझे यह सलाह दी है कि मैं अपने दिल की आवाज को सुनूं। एक कलाकार के लिए सबसे जरूरी चीज यही है कि वह अपने काम से भावनात्मक रूप से जुड़ा हो। अगर कहानी या किरदार अंदर से महसूस नहीं होता, तो उसे करना सिर्फ एक काम बनकर रह जाता है, जबकि अभिनय का असली मजा तभी आता है, जब वह दिल से जुड़ा हो।''

मौनी रॉय और सूरज नांबियार का तलाक कंफर्म, आपसी सहमति से लिया फैसला

अभिनेत्री मौनी रॉय और उनके पति सूरज नांबियार के तलाक को लेकर पिछले काफी समय से सोशल मीडिया पर कई तरह की चर्चाएं और कयास जारी थे। इसी बीच, अभिनेत्री ने गुरुवार को इन सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए सोशल मीडिया पर एक नोट जारी करके तलाक को कंफर्म कर दिया। इंस्टाग्राम पर नोट शेयर करते हुए अभिनेत्री ने आधिकारिक तौर पर पति से अलग होने की पुष्टि की। अभिनेत्री ने अपने नोट में इस बात को स्पष्ट किया कि वे और सूरज पिछले काफी समय से मीडिया और सोशल मीडिया पर निजी जिंदगी को लेकर हो रही चर्चाओं से काफी असहज महसूस कर रहे थे। उन्होंने लिखा, 'हम अपने निजी जीवन में मीडिया के कुछ लोगों द्वारा की जा रही बेवजह दखलअंदाजी और ज्यादा ध्यान दिए जाने से दुखी हैं। साथ ही, सभी को बताना चाहते हैं कि हमने अलग होने का फैसला लिया है और इस समय को शांति और समझदारी के साथ निजी तौर पर संभालना चाहते हैं।'

अभिनेत्री ने स्पष्ट किया कि उनकी निजी जिंदगी को लेकर कई झूठी बातें फैलाई जा रही थीं। उन्होंने लिखा, 'काफी समय से सोशल मीडिया पर हमारे निजी जीवन की बातें गलत तरीके से फैलाई जा रही हैं, जो हमारे रिश्ते की सच्चाई नहीं दिखाती। काफी सोच-विचार के बाद और अपनी बदलती प्राथमिकताओं को समझते हुए हमने आपसी सहमति से अलग रास्तों पर आगे बढ़ने का फैसला किया है।' मौनी रॉय ने यह भी लिखा, 'इस समय को हम दोनों ही शांतिपूर्वक और निजी तरीके से संभालने पर ध्यान दे रहे हैं।' अभिनेत्री ने जोर देते हुए लिखा कि रिश्ता खत्म होने के बाद भी वे और सूरज उनके बीच दोस्ती को कायम रखने की कोशिश करेंगे। उन्होंने लिखा, 'इस दौरान हमारी प्राइवेसी का सम्मान करने और हमें लगातार प्यार व समर्थन देने के लिए आपका दिल से धन्यवाद।'

राजनीति में आने की चर्चाओं पर दिलजीत दोसांझ ने तोड़ी चुप्पी

पंजाबी संगीत और फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ इन दिनों एक अलग वजह से चर्चा में हैं। पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर यह चर्चा तेज हो गई थी कि क्या दिलजीत दोसांझ आने वाले समय में पंजाब की राजनीति का नया चेहरा बन सकते हैं। दरअसल, उनकी बढ़ती लोकप्रियता, युवाओं के बीच उनकी मजबूत पहचान और समाज से जुड़े मुद्दों पर उनकी खुलकर राय रखने की वजह से लोग इस तरह की बातें कर रहे हैं। अब इन सभी चर्चाओं के बीच दिलजीत दोसांझ ने अपनी चुप्पी तोड़ी और साफ किया कि उनका राजनीति में आने का कोई इरादा नहीं है। दिलजीत दोसांझ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स की टाइमलाइन पर एक पंजाबी अखबार की खबर को फिर से शेयर किया। इस खबर में सवाल पूछा गया था कि क्या दिलजीत दोसांझ पंजाब का नया राजनीतिक चेहरा बन सकते हैं। खबर में उनकी बढ़ती लोकप्रियता और लोगों के बीच उनकी मजबूत इमेज का जिक्र किया गया। यह पोस्ट सामने आते ही सोशल मीडिया पर लोगों की प्रतिक्रियाएं तेज हो गई और राय देने लगे कि अगर दिलजीत राजनीति में आते हैं तो वह पंजाब के लिए नई सोच ला सकते हैं।

दिलजीत दोसांझ ने इस पूरे मामले पर सीधा जवाब दिया। उन्होंने अपने पोस्ट में पंजाबी में लिखा, 'कदे वी नहीं', यानी वह कभी राजनीति में नहीं आएंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा, ''मेरा काम लोगों का एंटरटेनमेंट करना है और मैं अपने इसी काम में बहुत खुश हूं। आप लोगों का बहुत-बहुत धन्यवाद।'' दरअसल, यह चर्चा उस समय ज्यादा बढ़ गई जब 'जागो पंजाब मंच' नाम के एक समूह की अपील सोशल मीडिया पर तेजी से फैलने लगी। यह अपील सीधे दिलजीत दोसांझ के नाम लिखी गई थी। इसमें पंजाब के लोगों से जागने, बदलाव लाने और उम्मीद बनाए रखने की बात कही गई। इस अपील में पंजाब की हालत को लेकर कई गंभीर बातें कही गई थीं। इसमें लिखा गया, ''राज्य लगातार मुश्किलों का सामना कर रहा है और समाज में टूटन बढ़ती जा रही है। सांप्रदायिक तनाव जैसे खतरे बढ़ रहे हैं और अब इन मुद्दों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

किसी ने मुझे दादा ओपी नय्यर का नाम इस्तेमाल नहीं करने दिया

दिवंगत म्यूजिक कंपोजर ओपी नय्यर की पोती निहारिका रायजादा साल 2010 में मिस यूके और फिर मिस इंडिया वर्ल्डवाइड रहीं। उनकी परवरिश लक्समबर्ग में हुई। उन्होंने मेडिकल साइंटिस्ट की पढ़ाई की है, पर 2013 से फिल्मी दुनिया में कदम रखे। उनकी पहली फिल्म बंगाली थी, जिसका नाम 'दामोदल' था। हालांकि, चर्चा उन्हें 'बेबी' और 'मसान' जैसी फिल्मों से मिली। साल 2025 में निहारिका फिल्म 'अद्रिका' में नजर आईं और इस साल 'मर्सी' में नजर आईं, जो अप्रैल में रिलीज हुई।

हर कलाकार से कुछ न कुछ सीखा

निहारिका रायजादा अब तक 'मसान', 'बेबी', 'टोटल धमाल' और 'सूर्यवंशी' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। इन फिल्मों में बड़े सितारों के साथ काम करते हुए उन्होंने क्या सीखा? इसके जवाब में वह कहती हैं, 'मैंने हर कलाकार से कुछ न कुछ सीखा है। मसलन ओमपुरी जी इमोशनल आदमी थे, यहां तक कि इमोशंस से ही एक्टिंग करते थे, तो उनसे मैंने वह सीखा। रणवीर सिंह से मैंने सीखा कि इंसान को एक्टर बनने के लिए पैशनेट होना चाहिए। अक्षय (कुमार) सर सबसे बात करते हैं, बहुत बिंदास इंसान हैं और बहुत अनुशासित भी हैं। वह न स्मोकिंग करते हैं और ना ही शराब पीते हैं। तो अनुशासन और शरीर को कैसे मेंटेन करना है, यह मैंने उनसे सीखा। अजय देवगन सर से बिजनेस करना, सिनेमा हॉल्स का बिजनेस चलाना, प्रोड्यूसर-डायरेक्टर बनना जैसी चीजें मैंने समझीं।'

आदिल जी कमाल के हैं

निहारिका इन दिनों फिल्म 'मर्सी' में अपने रोल को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ दिग्गज कलाकार आदिल हुसैन नजर आ रहे हैं। उनके साथ काम करने के अनुभव पर वह कहती हैं, 'आदिल जी से मैंने सीखा कि इतनी फिल्में करने के बाद भी आप विनम्र और साधारण कैसे बने रहें। उन्होंने 'इंग्लिश-विंग्लिश' और 'लाइफ ऑफ पाई' जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। लेकिन उन्हें देखकर पता लगता है कि इंसान जितना ज्यादा ऊपर पहुचंता है न, वह उतना ज्यादा सिंपल होता जाता है। वह फिलोसॉफर है, कई किताबें पढ़ चुके हैं। वह सेट पर अक्सर इम्प्रोवाइज़ करते थे और जिसे हम नैचुरल एक्टिंग कहते है, वह आदिल सर करते हैं। सच कहूं तो वह कमाल के हैं।'

'अपनी पहचान बनानी थी, दादा के नाम का सहारा नहीं लिया

फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर नेपोटिज़म की बात होती है। लेकिन निहारिका को अभी तक वैसे मौके नहीं मिल पाए। आखिर क्यों उन्होंने अपने दादाजी के नाम का इस्तेमाल नहीं किया? इसके जवाब में निहारिका कहती हैं, 'क्योंकि किसी ने मुझे उसका इस्तेमाल करने नहीं दिया। हालांकि फिर भी मैंने बहुत अच्छे डायरेक्टर्स के साथ काम किया और मुझे अपने डायरेक्टर्स पर गर्व है। मैं तो इसे भी खुशकिस्मती मानती हूं कि मैं इस इंडस्ट्री का हिस्सा हूं, वरना बहुत लोग फिल्मों में काम करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें वह नसीब नहीं होता। हालांकि फिल्मी फैमिली से होने का फायदा कहीं न कहीं मिलता ही है। लेकिन उसका जो पोटेंशियल है, वह मेरे भी फायदे में नहीं आया।' वह आगे बताती हैं, 'मेरी शुरुआत दरअसल खुद की वजह से हुई थी क्योंकि मैं मिस इंडिया रह चुकी थी। मैंने ऑडिशन दिया और मुझे मौका मिल गया। लेकिन 'टोटल धमाल' मुझे जरूर फैमिली बैकग्राउंड की वजह से मिली थी। शुरू में मैं किसी को बताती ही नहीं थी कि मैं फिल्मी फैमिली से हूं क्योंकि मुझे अपनी पहचान खुद बनानी थी। मैं चाहती हूं कि मैं अपने परिचय से पहचानी जाऊं न कि अपने परिवार के जरिए।'

इच्छामृत्यु पर फैसला सावधानी और समझदारी से हो

निहारिका फिल्म 'मर्सी' में नजर आ रही हैं तो वहीं कुछ समय पहले ही हरीश राणा की इच्छामृत्यु का केस काफी चर्चा में रहा। इस बारे में निहारिका क्या सोचती हैं? वह कहती हैं, 'मैं इच्छामृत्यु को गलत नहीं मानती। लेकिन यह जरूर मानती हूं कि एक व्यक्ति की हालत इतनी खराब है कि कोई और विकल्प नहीं है। तो जिस तरह हरीश राणा का खाना वगैरह विड्रॉल किया गया, तो उस तरह सम्मान के साथ हमारा न्यायालय फैसला ले सकता है। लेकिन यह फैसला सभी पहलुओं को देखते हुए बेहद सावधानी और समझदारी से अथॉरिटीज़ द्वारा लिया जाना चाहिए।'

नौतपा से पहले ही तपने लगा जबलपुर, 44.6 डिग्री पहुंचा पारा, चार दिन तक लू का अलर्ट

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

संस्कारधानी जबलपुर में नौतपा शुरू होने से पहले ही भीषण गर्मी ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। सूरज की तेज तपिश और गर्म हवाओं के थपेड़ों से पूरा शहर झुलस रहा है। दोपहर के समय सड़कें सूनी नजर आने लगी हैं और लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। लगातार बढ़ते तापमान ने न सिर्फ इंसानों बल्कि पशु-पक्षियों को भी बेहाल कर दिया है। बिना पंखा, कूलर और एसी के कुछ पल भी रहना मुश्किल हो गया है। मंगलवार को शहर का अधिकतम तापमान 44.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस सीजन का अब तक का सबसे अधिक तापमान है। वहीं न्यूनतम तापमान भी बढ़कर 29.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। दिन के साथ अब रातों में भी गर्मी लोगों को परेशान कर रही है। मौसम विभाग के अनुसार आगामी चार दिनों तक राहत मिलने के आसार नहीं हैं। 20 से 24 मई के बीच अधिकतम तापमान 44 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रह सकता है, जबकि रात का तापमान 30 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। मौसम विभाग ने जबलपुर सहित कटनी, छिंदवाड़ा, बालाघाट, सिवनी, मंडला और डिंडौरी जिलों में 23 मई तक लू का येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं सतना, रीवा, सीधी और दमोह जिलों के लिए आरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। विभाग का कहना है कि तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लंबे समय तक बाहर रहने वाले लोगों को हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ सकता है। विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक दोपहर के समय धूप में निकलने से बचना चाहिए। हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें और सिर को टोपी, गमछे या छाते से ढंककर रखें। शरीर में पानी की कमी न हो इसके लिए लगातार पानी, नींबू पानी और अन्य तरल पदार्थ लेते रहना जरूरी है, भले ही प्यास महसूस न हो। लगातार बढ़ती गर्मी के कारण शहर में बिजली की मांग भी तेजी से बढ़ गई है। कूलर और एसी की बिक्री में अचानक इजाफा देखने को मिल रहा है। दोपहर के समय बाजारों में सन्नाटा छाने लगा है, जबकि शाम ढलने के बाद ही लोगों की आवाजाही बढ़ रही है। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि नौतपा शुरू होने के बाद तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे आने वाले दिनों में गर्मी और अधिक विकराल रूप ले सकती है।

गंभीर मामलों में अग्रिम जमानत पर सख्त रुख जरूरी : मध्य प्रदेश हाईकोर्ट

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने अग्रिम जमानत (एंटीसिपेटरी बेल) को लेकर महत्वपूर्ण और सख्त टिप्पणी करते हुए कहा है कि गंभीर आपराधिक मामलों में अदालतें इसे सामान्य प्रक्रिया की तरह नहीं दे सकतीं। अदालत ने स्पष्ट किया कि जमानत देना न्यायालय का विवेकाधिकार है, लेकिन अग्रिम जमानत का उपयोग केवल असाधारण परिस्थितियों में ही किया जाना चाहिए। हाईकोर्ट ने कहा कि यदि गंभीर मामलों में शुरूआती स्तर पर आरोपी को संरक्षण दिया जाता है तो इससे जांच प्रभावित हो सकती है, साक्ष्यों से छेड़छाड़ की संभावना बढ़ सकती है और न्यायिक प्रक्रिया बाधित हो सकती है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति राम कुमार चौबे की एकलपीठ ने पन्ना जिले से जुड़े आबकारी अधिनियम मामले की सुनवाई के दौरान की। अदालत ने आरोपी बब्लू उर्फ रामपाल यादव की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। मामला सिमरिया थाना क्षेत्र का है, जहां आरोपी के मवेशी शेड से करीब 65 लीटर अवैध शराब बरामद की गई थी। पुलिस ने जांच के दौरान उसके भतीजे अनुज यादव को गिरफ्तार किया था, जिसके बयान के आधार पर आरोपी का नाम सामने आया। अदालत ने कहा कि बरामदगी आरोपी के स्वामित्व वाले स्थान से हुई है, इसलिए प्रथम दृष्टया आरोप को पूरी तरह निराधार नहीं माना जा सकता। ऐसे में जांच एजेंसी को स्वतंत्र रूप से जांच करने देना जरूरी है। हाईकोर्ट ने मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 59-ए का भी उल्लेख करते हुए कहा कि यह धारा कुछ मामलों में अग्रिम जमानत पर प्रतिबंध लगाती है, इसलिए अदालतों को ऐसे मामलों में अत्यधिक सतर्कता बरतनी चाहिए। अदालत ने यह भी कहा कि अग्रिम जमानत का उद्देश्य निर्दोष को अनावश्यक गिरफ्तारी से बचाना है, लेकिन इसका दुरुपयोग जांच को प्रभावित करने के लिए नहीं होना चाहिए। इस निर्णय के बाद आरोपी को राहत नहीं मिली और उसकी याचिका खारिज कर दी गई। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार यह फैसला गंभीर आपराधिक मामलों में अग्रिम जमानत की प्रक्रिया को लेकर एक महत्वपूर्ण न्यायिक टिप्पणी माना जा रहा है, जो भविष्य में ऐसे मामलों में अदालतों के रुख को प्रभावित कर सकता है।

लव मैरिज से नाराज पत्नी के परिजनों ने युवक पर किया जानलेवा हमला, लोहे के कड़े से फोड़ा सिर

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

प्रेम विवाह करने के बाद एक युवक पर पत्नी के परिजनों द्वारा जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना ओमती थाना क्षेत्र के गुरंदी बाजार भरतीपुर की है, जहां पत्नी को लेकर घर लौट रहे युवक को रास्ते में रोककर उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने दो नामजद आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गुरंदी निवासी सुमित सोनकर सब्जी का कारोबार करता है। सुमित ने हाल ही में घमापुर के चंपालाल का बाड़ा निवासी अंशिका सोनकर के साथ सदर स्थित काली मंदिर में प्रेम विवाह किया था। बताया जा रहा है कि इस विवाह से अंशिका के परिजन नाराज थे और लगातार विरोध कर रहे थे। बीती शाम करीब छह बजे सुमित अपनी पत्नी अंशिका को लेकर गुरंदी बाजार स्थित घर लौट रहा था। इसी दौरान न्यू मछली मार्केट के सामने उन्हें शुभम सोनकर और रिंकू सोनकर ने रोक लिया। आरोप है कि दोनों ने पहले गाली-गलौज शुरू की और फिर अंशिका के साथ मारपीट करने लगे। जब सुमित ने पत्नी को बचाने का प्रयास किया तो आरोपियों ने उस पर हमला कर दिया। बताया गया है कि आरोपियों ने लोहे के कड़े से सुमित के सिर पर वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। पति पर हमला होते देख अंशिका चीखने लगी। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी वहां से भाग निकले। स्थानीय लोगों की मदद से घायल सुमित को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। ओमती थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर शुभम सोनकर और रिंकू सोनकर के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों की तलाश जारी है।

बरगी क्रूज हादसे के बाद 16 दिन से ठप नाव संचालन, नर्मदा पार बसे 50 गांवों की थमी जिंदगी, भेड़ाघाट में फिर शुरू हुआ नौकायान

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

बरगी क्रूज हादसे के बाद नर्मदा नदी में नाव संचालन पर लगी रोक अब हजारों लोगों की परेशानी का बड़ा कारण बन गई है। पिछले 16 दिनों से गौरीघाट और तिलवारा घाट पर नावों का संचालन पूरी तरह बंद है, जिससे नर्मदा नदी के उस पार बसे करीब 50 गांवों का जनजीवन प्रभावित हो गया है। नाव बंद होने से ग्रामीणों को अब कई किलोमीटर लंबा चक्कर लगाकर शहर पहुंचना पड़ रहा है, जबकि दूसरी ओर नाविकों के सामने रोजी-रोटी का संकट गहराता जा रहा है। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि अब सुरक्षा मानकों का पालन होने के बाद ही नाव संचालन दोबारा शुरू किया जाएगा। इस बीच विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भेड़ाघाट के पंचवटी घाट पर रविवार से नौकायान दोबारा शुरू कर दिया गया है। इससे पर्यटकों और नाविकों को कुछ राहत जरूर मिली है। लंबे समय तक नावें बंद रहने से पंचवटी और बंदरकूदनी जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों की रौनक फीकी पड़ गई थी और पर्यटक मायूस होकर लौट रहे थे। अब नाव संचालन शुरू होने के बाद एक बार फिर घाटों पर चहल-पहल लौटने लगी

है। गौरतलब है कि बरगी क्रूज हादसे के बाद नगर निगम प्रशासन ने सुरक्षा इंतजामों की कमी को देखते हुए गौरीघाट और तिलवारा घाट पर नाव संचालन पर रोक लगा दी थी। इसके बाद से नर्मदा पार बसे मंगेली, सनद पिपरिया, बढ़ैयाखेड़ा, सिवनी टोला, नारायणपुर और मानेगांव सहित कई गांवों के लोगों की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। पहले ग्रामीण नाव के जरिए बेहद कम समय में शहर पहुंच जाते थे। लोग अपने दोपहिया वाहन तक नावों में रखकर नदी पार करते थे और रोजगार, व्यापार, दूध सप्लाई व रोजमर्रा के काम आसानी से कर लेते थे। अब हालात यह हैं कि जहां पहले लोगों को महज एक किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता था, वहीं अब उन्हें नर्मदा ब्रिज के रास्ते आठ से दस किलोमीटर लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा है। कुछ गांवों के लोगों को तिलवारा मार्ग से करीब 15 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। इससे लोगों का समय, पैसा और श्रम तीनों बढ़ गए हैं। सबसे ज्यादा परेशानी मजदूरों, किसानों, छात्रों, दूध विक्रेताओं और छोटे व्यापारियों को हो रही है, जो रोज शहर आकर काम करते थे। ग्रामीणों का कहना है कि नावें उनके लिए केवल यातायात का साधन नहीं थीं, बल्कि गांव और शहर के बीच जीवनरेखा की तरह काम करती थीं। नाव बंद होने से कई मजदूर समय पर काम पर नहीं पहुंच पा रहे हैं। छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और छोटे व्यापारियों की आमदनी पर असर पड़ा है। धार्मिक गतिविधियां भी प्रभावित हुई हैं। नर्मदा पार स्थित गुरुद्वारे में रोज बड़ी संख्या में श्रद्धालु मत्था टेकने जाते थे, लेकिन अब लंबा रास्ता तय करना पड़ने से श्रद्धालुओं की आवाजाही लगभग बंद हो गई है। इधर नाविकों के सामने भी गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। गौरीघाट पर लगभग 100 नावों का संचालन होता है, जिनमें से 68 नावों को नगर निगम से लाइसेंस मिला हुआ है।

जबलपुर में मलबे से संवर रही संस्कारधानी

सीएंडडी प्लांट बना स्वच्छता अभियान की बड़ी ताकत, सस्ते पेवर ब्लॉक से बदल रही शहर की तस्वीर

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

संस्कारधानी जबलपुर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने की दिशा में नगर निगम की एक अनूठी पहल अब शहर की पहचान बनती जा रही है। कठौंदा स्थित ह्वकंस्ट्रक्शन एंड डिमोलिशन वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट (सीएंडडी वेस्ट प्लांट)ह्व न केवल शहर से निर्माण मलबा हटाने का काम कर रहा है, बल्कि उसी मलबे को दोबारा उपयोगी निर्माण सामग्री में बदलकर विकास की नई मिसाल भी पेश कर रहा है। कभी शहर के चौराहों, सड़कों और खाली प्लॉटों में गंदगी और परेशानी का कारण बनने वाला मलबा अब शहर के फुटपाथों, पार्किंग स्थलों और सार्वजनिक निर्माण कार्यों को नई पहचान दे रहा है। नगर निगम द्वारा संचालित यह अत्याधुनिक प्लांट स्वच्छता अभियान की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी बन चुका है। यहां निर्माण कार्यों से निकलने वाले ईंट, पत्थर, कंक्रीट और अन्य मलबे को वैज्ञानिक तकनीक के जरिए प्रोसेस किया जाता है। इसके बाद इस सामग्री से मजबूत और आकर्षक पेवर ब्लॉक, ब्रिक्स और अन्य निर्माण सामग्री तैयार की जाती है। इनका उपयोग नगर निगम द्वारा शहर के विकास कार्यों में किया जा रहा है। शहर में लंबे समय से निर्माण मलबे के कारण गंदगी और अव्यवस्था की समस्या बनी हुई थी। लोग खाली प्लॉटों, सड़क किनारों और सार्वजनिक स्थानों पर मलबा फेंक देते थे, जिससे यातायात प्रभावित होता था और वातावरण भी दूषित होता था। लेकिन अब नगर निगम ने इस समस्या का स्थायी समाधान खोज लिया है। सीएंडडी प्लांट शुरू होने के बाद मलबे का व्यवस्थित संग्रहण किया जा रहा है और उसे पुनः उपयोग में लाया जा रहा है। इससे न केवल शहर साफ-सुथरा दिखने लगा है, बल्कि डंपिंग साइट्स पर बढ़ते दबाव में भी कमी आई है। कठौंदा प्लांट में तैयार होने वाले पेवर ब्लॉक अब शहर के कई हिस्सों में उपयोग किए जा रहे हैं। सड़क किनारे बने फुटपाथ, पार्किंग क्षेत्र और सार्वजनिक स्थानों पर लगाए गए ये ब्लॉक शहर की सुंदरता बढ़ाने के साथ मजबूती भी प्रदान कर रहे हैं। नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि इन ब्लॉकों की गुणवत्ता बाजार में उपलब्ध सामग्री के बराबर है, जबकि कीमत अपेक्षाकृत काफी कम है। यही कारण है कि अब आम नागरिक भी बड़ी संख्या में यहां से पेवर ब्लॉक खरीद रहे हैं। नगर निगम ने आम लोगों के लिए भी यह सुविधा उपलब्ध कराई है। नागरिक अपने घरों के आंगन, पार्किंग, गार्डन और निजी निर्माण कार्यों के लिए यहां से कम कीमत में उच्च गुणवत्ता वाले पेवर ब्लॉक खरीद सकते हैं। बाजार में जहां इन ब्लॉकों की कीमत अधिक होती है, वहीं कठौंदा प्लांट में यह काफी सस्ती दरों पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे लोगों को आर्थिक लाभ भी मिल रहा है और रिसायकल सामग्री के उपयोग को बढ़ावा भी मिल रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पहल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी बेहद महत्वपूर्ण है। निर्माण मलबे का पुनर्चक्रण होने से प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव कम होता है और कचरे के निपटान की समस्या भी घटती है। इससे प्रदूषण नियंत्रण में मदद मिलती है और शहर का पर्यावरण बेहतर बनता है। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार आने वाले समय में इस परियोजना का विस्तार किया जाएगा। शहर में निर्माण मलबे के बेहतर प्रबंधन के लिए और संसाधन जोड़े जाएंगे ताकि जबलपुर को पूरी तरह मलबा मुक्त और स्वच्छ शहर बनाया जा सके। स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और विकास को साथ लेकर चल रही यह पहल अब अन्य शहरों के लिए भी प्रेरणा बनती जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक डॉ. राजेश जायसवाल के लिए, मां रेवा पब्लिकेशन जबलपुर 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे एम.आर.-4 रोड उखरी जबलपुर (म.प्र.) से मुद्रित और कल्चुरी भवन हाउस नं. 3367/1, विवेक नगर, आधारताल, जबलपुर (म.प्र.) से प्रकाशित । संपादक : डॉ.राजेश जायसवाल* सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के जिम्मेदार। आरएनआई नं. MPHIN/2014/60079 मो. 9425154229, फोन-0761-4085321 e-mail: tripuritimes@gmail.com